News सिटी चीफ

वर्ष-15, अंक-126

पृष्ठ-8 मूल्य 2 रूपया

आज का विचार

दिमाग ठंडा हो तो फैसले गलत नहीं होते,और भाषा मीठी हो तो अपने दूर नहीं होते!

CITYCHIEFSENDMENEWS@GMAIL.COM

सिटी चीफ

इंदौर, शुक्रवार 09 अगस्त 2024

सम्पूर्ण भारत मे चर्चित हिन्दी अखबार

नाग पंचमी की शुभकामनाएं।

इन्वेस्ट मध्यप्रदेशः सीएम डॉ. मोहन यादव का न्योता निवेशकों ने किया कुबूल

बेंगलुरु से मप्र में 3200 करोड़ के निवेश की बारिश

भोपाल/ बेंगलुरु। बेंगलुरु में मध्यप्रदेश में निवेश सत्र के अंतर्गत लगभग 3200 करोड़ रुपये के निवेश प्रस्ताव प्राप्त हुए हैं। इससे लगभग रोजगार के 7 हजार अवसर सृजित होंगे। यह दौरा निवेश की दृष्टि से सकारात्मक रहा। मध्यप्रदेश और कर्नाटक का भाई-भाई का संबंध है, दोनों राज्यों में एक सा वातावरण है। कर्नाटक में व्यापार, व्यवसाय और उद्योग संचालकों को अपनी गतिविधियों के विस्तार के लिए और स्थान मिले, इसी उद्देश्य से इन्वेस्ट मध्यप्रदेश कार्यक्रम कर्नाटक में आयोजित किया गया। ये बातें मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने बेंगलुरु में आयोजित इन्वेस्ट मध्यप्रदेश के इंटरेक्टिव सत्र के बाद कही। उन्होंने बताया कि गूगल क्लाउड ने कुशल कार्यबल को बढ़ाने के लिए मध्यप्रदेश में स्टार्टअप हब और सेंटर ऑफ एक्सीलेंस की स्थापना का प्रस्ताव दिया है। वहीं, तेजस विमान की निमार्ता हिन्दुस्तान एरोनाटिक्स लिमिटेड से मध्यप्रदेश में रक्षा संबंधी उद्योग स्थापना के संबंध में चर्चा हुई है, जिसके सकारात्मक परिणाम आने की संभावना है। इसी प्रकार एन वीडिया ने मध्य प्रदेश को भारत की इंटेलिजेंस राजधानी के रूप में स्थापित करने के लिए ब्लू प्रिंट तैयार करने का सुझाव दिया है।

500 से अधिक प्रतिभागी हुए शामिल

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने बताया कि आईटी कंपनियों की ख्यातिनाम संस्था नैसकॉम और स्पेस टेक्नोलॉजी सेक्टर के प्रतिनिधियों तथा इंफोसिस, कॉग्निजेंट, टीसीएस, हैपियस माइन्स और सैप इत्यादि के साथ प्रदेश में आईटी के विकास और उनके भविष्य की योजनाओं के संबंध में चर्चा हुई, जिसके सकारात्मक परिणाम आने की संभावना है। उन्होंने बताया कि कार्यक्रम में कर्नाटक सहित आसपास के राज्यों के 500 से अधिक प्रतिभागियों ने भागीदारी की। सीएम ने बताया कि लैप इंडिया, रिलायंस कंज्यूमर, डीएचएल ग्लोबल, टेक महिंद्रा, माइक्रोसॉफ्ट, केनेस टेक्नोलॉजी, किर्लोस्कर सिस्टम्स सहित 30 से अधिक प्रमुख उद्योगपतियों से वन-टू-वन मीटिंग की गई।

बेंगलुरु से मिला बड़ा निवेश

बेंगलुरु में आयोजित इस सत्र के दौरान राज्य को 11 कंपनियों के निवेश प्रस्ताव प्राप्त हुए है। इसमें लेप इंडिया, एजीआई ग्लास पैक, कोका-कोला, पूवार्षा ग्रुप, मेटेक्नो, त्यागराजन मिल्स, प्रिंट प्वाइंट फॉर्म पैकेजिंग, फीदरलाइट इंडिया, एसआरवी नीट टेक प्राइवेट लिमिटेड, केनेस टेक्नोलॉजी और एसके मिल्स जैसी कंपनियों से निवेश प्रस्ताव प्राप्त हुए। इन प्रस्तावों से प्रदेश के विभिन्न क्षेत्रों में उद्योग स्थापित होंगे, जिससे स्थानीय रोजगार को बल मिलेगा।

फिल्म एडवांटेज एमपी का प्रदर्शन

कार्यक्रम के दौरान, निवेशकों को मध्यप्रदेश में निवेश के अनुकूल वातावरण से परिचित कराने के लिए एडवांटेज एमपी नामक एक फिल्म भी प्रदर्शित की गई। इस अवसर पर मणिपाल समूह के अध्यक्ष मोहनदास पाई, ग्रीनको ग्रुप के अध्यक्ष अनिल चलमाशेट्टी और लैप इंडिया के मुख्य परिचालन एवं प्रौद्योगिकी अधिकारी डॉ. शिववेंकट रमानी उपस्थित थे।

नीरज चोपड़ा ने की पाकिस्तानी खिलाड़ी की तारीफ

गोल्ड जीतने पर कहा- आज का दिन अरशद का था

पेरिस ओलंपिक में पाकिस्तान ने जेवलिन थ्रो में गोल्ड मेडल जीतकर इतिहास रच दिया है। पाकिस्तान के जेवलिन थ्रोअर अरशद नदीम ने ऐसा शानदार प्रदर्शन किया कि उन्होंने अपने देश का 32 साल का ओलंपिक सूखा खत्म कर दिया। भारत के नीरज चोपड़ा लगातार दो ओलंपिक गोल्ड मेडल जीतने वाले पहले भारतीय एथलीट बनने से चूक गए। टोक्यो ओलंपिक चैंपियन नीरज ने पेरिस ओलंपिक के पुरुषों की जेवलिन थ्रो के फाइनल में सिल्वर मेडल जीता। एथलेटिक्स की दुनिया में इस नए रिकॉर्ड ने तहलका मचा दिया। पाकिस्तान के अर्शद नदीम ने 92.97 मीटर के नए ओलंपिक रिकॉर्ड के साथ गोल्ड मेडल अपने नाम कर लिया। नीरज का दूसरा थ्रो ही वैलिड माना गया। इस थ्रो में नीरज चोपड़ा ने 89.45 मीटर फेंका। नीरज चोपड़ा की बाकी पांच कोशिशें फाउल रही। अरशद ने अपने दूसरे थ्रो में 92.97 मीटर का नया ओलंपिक रिकॉर्ड बनाया। उन्होंने छठे और अंतिम थ्रो में 91.79 मीटर फेंका। अरशद नदीम ने पाकिस्तान के 40 साल के लंबे ओलंपिक गोल्ड मेडल के इंतजार को खत्म किया। यह 1992 के बार्सिलोना ओलंपिक के बाद पाकिस्तान का पहला ओलंपिक मेडल है।

मनीष सिसोदिया को मिली जमानत

सुप्रीम कोर्ट ने सुनाया फैसला, 17 महीने बाद जेल से बाहर आएंगे

नई दिल्ली। दिल्ली के पूर्व डिप्टी सीएम मनीष सिसोदिया की जमानत याचिका पर आज शुक्रवार को सुप्रीम कोर्ट ने फैसला सुना दिया। सुप्रीम कोर्ट ने मनीष सिसोदिया को जमानत दे दी है। बता दें कि सुप्रीम कोर्ट ने मनीष सिसोदिया की जमानत याचिका पर 5 अगस्त को दोनों पक्षों की दलीलें सुनने के बाद अपना फैसला सुरक्षित रख लिया था। सुप्रीम कोर्ट ने मनीष सिसोदिया को कई शर्तों पर जमानत दी है। कोर्ट ने कहा कि मनीष सिसोदिया को 10 लाख रुपये का मुचलका देना होगा। इसके साथ ही उन्हें दो जमानतदार पेश करने होंगे। इसके अलावा मनीष सिसोदिया को अपना पासपोर्ट सरेंडर करना होगा। मनीष सिसोदिया को हर सोमवार और गुरुवार को थाने में जाकर हाजिरी देनी होगी।

सुप्रीम कोर्ट ने क्या कहा: सुप्रीम कोर्ट ने मनीष सिसोदिया को जमानत देते हुए कहा कि वह समाज के सम्मानित व्यक्ति हैं और उनके भागने की आशंका नहीं है। इसके साथ ही कोर्ट ने कहा कि मामले में ज्यादातर सबूत भी जुटाए जा चुके हैं, इसलिए उनके साथ छेड़छाड़ करने की भी कोई संभावना नहीं बनती। हालांकि, गवाहों को प्रभावित करने या डराने के मामले में उनपर शर्तें लगाई जा सकती हैं। सुप्रीम कोर्ट ने दिल्ली शराब घोटाले मामले में सीबीआई और ईडी दोनों केस में मनीष सिसोदिया को जमानत दे दी है। सुप्रीम कोर्ट ने दिल्ली शराब घोटाले मामले में मनीष सिसोदिया की जमानत याचिका पर सीबीआई और ईडी को नोटिस जारी कर जवाब मांगा था। मनीष सिसोदिया के वकील की तरफ से तर्क देते हुए कहा गया है कि वह 16 महीने से जेल में हैं, लेकिन केस अभी तक आगे नहीं बढ़ पाया है। गौरतलब है कि सुप्रीम कोर्ट में सिसोदिया की जमानत याचिका पर सुनवाई पहले 11 जुलाई को होनी थी, लेकिन सुनवाई से पहले ही सुप्रीम कोर्ट के न्यायाधीश न्यायमूर्ति संजय कुमार ने दिल्ली के पूर्व उपमुख्यमंत्री मनीष सिसोदिया की जमानत याचिका की सुनवाई से खुद को अलग कर लिया।

10 साल में पहली बार हुआ ऐसा

एनडीए सरकार का वक्फ विधेयक अटका, जेपीसी को भेजा

नई दिल्ली। केंद्र सरकार ने वक्फ बोर्डों को नियंत्रित करने वाले कानून में संशोधन से संबंधित एक विधेयक गुरुवार को लोकसभा में पेश किया, लेकिन सदन में विपक्षी दलों के भारी विरोध को देखते हुए इसे संयुक्त संसदीय समिति (जेपीसी) के पास भेजने का फैसला किया है। दूसरी तरफ, सरकार ने राज्यसभा से वक्फ संशोधन विधेयक, 2014 को वापस ले लिया है। पिछले 10 सालों में यानी नरेंद्र मोदी की सरकार में ऐसा पहली बार हुआ है, जब सदन में कोई बिल पारित होने से अटका हो और उसे जेपीसी में भेजा गया हो। इससे पहले, केंद्रीय अल्पसंख्यक कार्य मंत्री किरेन रीजीजू ने सदन में वक्फ (संशोधन) विधेयक, 2024 पेश किया और विभिन्न दलों की मांग के अनुसार विधेयक को संयुक्त संसदीय समिति के पास भेजने का प्रस्ताव किया। उन्होंने लोकसभा अध्यक्ष से अनुरोध किया कि संयुक्त संसदीय समिति का गठन करें और विधेयक को व्यापक चर्चा के लिए उसके पास भेजें। विधेयक पर चर्चा के लिए अधिक से अधिक हितधारकों को बुलाएं, उनकी राय सुनें। विधेयक को समिति को भेजें, और भविष्य में हम उनके सुझावों को खुले दिल से सुनेंगे...। इस पर लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला ने कहा, मैं सभी दलों के नेताओं से बात करके इस संयुक्त संसदीय समिति का गठन करुंगा। इससे पहले विपक्षी सदस्यों ने विधेयक का पुरजोर विरोध किया और कहा कि यह संविधान, संघवाद और अल्पसंख्यकों पर हमला है। राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन के दो प्रमुख घटक दलों जनता दल (यूनाइटेड) और तेलुगु देशम पार्टी (तेदेपा) ने विधेयक का समर्थन किया। हालांकि, चंद्रबाबू नायडू की पार्टी टीडीपी ने इसे संसदीय समिति के पास भेजने की पैरवी की।

पेरिस ओलंपिकः स्पेन को 2-1 से हराकर कप्तान हरमनप्रीत सिंह की टीम ने जीता कांस्य पदक

भारतीय हॉकी जिंदाबाद

पेरिस। भारतीय हॉकी टीम ने गुरुवार को पेरिस ओलंपिक का ब्रॉन्ज मेडल जीत लिया। स्पेन को 2-1 से हराकर कप्तान हरमनप्रीत सिंह की टीम ने कमाल कर दिया। टोक्यो में हुए पिछले ओलंपिक खेलों में भी भारत ने कांस्य पदक ही अपने नाम किया था। भारत के लिए हरमनप्रीत ने 30वें और 34वें मिनट में गोल दागे। इस तरह 52 साल बाद लगातार दो ओलंपिक में बैक टू बैक मेडल आया है। इससे पहले 1968 मैक्सिको ओलंपिक और 1972 म्यूनिख ओलंपिक में भारत ने ब्रॉन्ज मेडल जीते थे। इस तरह मौजूदा ओलंपिक में भारत के पदकों की संख्या चार हो चुकी है। इससे पहले सेमीफाइनल में जर्मनी ने भारत को हराकर 60 साल बाद गोल्ड मेडल जीतने का ख्वाब तोड़ा था। ब्रॉन्ज मेडल के साथ हॉकी टीम ने अपने सीनियर प्लेयर और दिग्गज गोलकीपर श्रीजेश को पदक से विदाई दी क्योंकि उन्होंने पहले ही संन्यास का फैसला ले लिया था। ऐसे में श्रीजेश को सम्मानजक विदाई भी भारत के इस शानदार खेल की वजह बनी। मैच जीतने के बाद श्रीजेश ने गोल पोस्ट पर चढ़कर अपने चिर-परिचित अंदाज में जश्न मनाया।

जल्द मिलेंगी गंभीर बीमारियों की विदेशी दवाएं...ट्रायल की जरूरत नहीं

नई दिल्ली। केंद्र सरकार ने विदेशी दवाओं को लेकर गुरुवार को बड़ा फैसला लिया है। अब अगर कोई दवा अमेरिका, ब्रिटेन, जापान, ऑस्ट्रेलिया, कनाडा और यूरोपीय संघ (ईयू) में किए गए नैदानिक परीक्षण (क्लीनिकल ट्रायल) में सफल होती है और उसे वहां के दवा नियामक से मंजूरी मिल जाती है, तो उस दवा के लिए भारत में क्लीनिकल ट्रायल की जरूरत नहीं होगी। यानी गंभीर बीमारियों की दवाओं की बिक्री भी सीधे भारत में हो सकेगी। यह छूट केवल पांच श्रेणी में दी गई है। इनमें दुर्लभ बीमारियों की दवाएं, जीन और सेसुलर थेरेपी उत्पाद, महामारी की स्थिति में उपोयग की जाने वाली नई दवाएं, विशेष रक्षा उद्देश्य से उपयोग की जाने वाली नई दवाएं और महत्वपूर्ण चिकित्सीय प्रगति वाली नई दवाएं शामिल हैं। केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्रालय के इस फैसले के बाद कैंस, स्पाइनल मस्कुलर एट्रोफी (एसएमए) और डचेन मस्कुलर डिस्ट्रॉफी (डीएमए) जैसी दुर्लभ बीमारियों के इलाज के लिए दवाओं की शीघ्र उपलब्धता सुनिश्चित करेगी।

डीजीसीआई ने जारी किया आदेश

डीजीसीआई ने इसको लेकर एक आदेश जारी किया। इसमें कहा गया कि नई औषधि और नैदानिक परीक्षण नियम 2019 के नियम 101 के मुताबिक, केद्रीय लाइसेंस अनुमोदन प्राधिकरण, केंद्र सरकार की मंजूरी से समय-समय पर अध्याय- के तहत नई दवाओं के अनुमोदन के लिए स्थानीय क्लीनिकल ट्रायल की छूट पर विचार करने और नियमों के तहत क्लीनिकल ट्रायल के संचालन की अनुमति देने के लिए देशों के नाम निर्दिष्ट कर सकता है।

अभी तक यह होता है

एक अधिकारी ने बताया कि अब तक औषध और प्रसाधन सामग्री अधिनियम और उसके तहत बनाए गए नियमों के तहत अमेरिका, ब्रिटेन और ईयू की पहले से अनुमोदित कई दवाएं भारतीय रोगियों के लिए तत्काल उपलब्ध नहीं हैं। दरअसल, इन दवाओं के क्लीनिकल ट्रायल करना और भारत में विपणन (मार्केटिंग) करने से पहले सुरक्षा और प्रभावकारिता संबंधी आंकड़े तैयार करना बाकी है। हालांकि, नई औषधि और नैदानिक परीक्षण नियम 2019 के नियम 101 के तहत डीसीजीआई को नई दवाओं की मंजूरी के लिए स्थानीय क्लीनिकल ट्रायल में छूट पर विचार करने के लिए देशों निर्दिष्ट करने की अनुमति है।

News सिटी चीफ

सम्पूर्ण भारत मे चर्चित हिन्दी अखबार

Fastest Growing Media Network

अवश्यकता है

इंदौर भोपाल जिले के सभी तहसीलो में दैनिक अख़बार और डिजिटल रिपोर्टर की।

डिजिटल और प्रिंट के लिये मार्केटिंग टीम (मेल/फीमेल) एवं हेल्परो की अवश्यकता हैं

डिजिटल मीडिया का क्रान्तिकारी कदम

डिजिटल भारत में खबरों के लिए देखे सिटी चीफ न्यूज़

रिपोर्टर बनने के लिए सम्पर्क करे

9755996590

सिंगल कॉलम

स्कूल में हो रही ऐसी पढ़ाई... एक हाथ में गीता, दूजे में आर्टिफिशियल इंटेलीजेंस

इंदौर। यह बात इन दिनों अक्सर कही-सुनी जाती है कि भारत अब बदल रहा है, किंतु इंदौर का एक सीबीएसई स्कूल तो मानो इस बदलाव का सबसे ताजा उदाहरण बन गया है। यहां पढ़ने वाली छात्राओं के एक हाथ में श्रीमद्भगवद गीता हैं, तो दूजे हाथ में आर्टिफिशियल इंटेलीजेंस (एआई) जैसी आधुनिक पढ़ाई का कोर्स।गीता पढ़ने के चलते अब उनकी चैतन्यता बढ़ गई है, पढ़ाई में अधिक मन लगता है, बोरियत का भाव नहीं आता और अपनी संस्कृति के प्रति समझ विकसित हुई है। यह सब हो रहा है इंदौर स्थित सीबीएसई स्कूल श्री क्लाथ मार्केट वैष्णव बाल मंदिर गर्ल्स हायर सेकंडरी स्कूल में। यहां परंपरागत ज्ञान और आधुनिक विज्ञान का ऐसा अद्भुत सम्मिश्रण हो रहा है कि छात्राएं भारतीयता के विचार से लबरेज हैं। इन्हें पूरे वर्ष गीता के अध्याय पढ़ाए जाते हैं और उसके प्रत्येक श्लोक का अर्थ इस तरह सिखाया जाता है कि वे उसे प्रैक्टिकल करते हुए अपने जीवन में उतार सकें। प्राचार्य आभा जौहरी बताती हैं कि स्कूल में आधुनिक पढ़ाई के साथ ही आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस, कौशल विकास आदि भी सिखाए जा रहे हैं।

कारोबारी के बेटे को लूटकर लक्जरी कार से भागा था रिसोर्ट मालिक का बेटा

इंदौर। चोरल डेम के पास हुई लूट का पुलिस ने खुलासा कर दिया। भाजपा नेता की बेटी ने रिसोर्ट मालिक के बेटे के साथ षड़यंत्र रचा था। वह कारोबारी के बेटे को सबक सिखाना चाहती थी। युवती उसको पिकनिक स्पॉट पर ले गई और साजिश के तहत हमला कर लूट लिया। वारदात में शेफ, चौकीदार लिप्त पाए गए है। वारदात के बाद आरोपी ऑडी कार से भागे थे। पुलिस ने सोने के आभूषण,पिस्टल,कार बरामद कर ली है।एसपी (ग्रामीण) हितिका वासल के मुताबिक, आरोपित युवती आलिया पुत्री शेख मसरूर हसन निवासी गुलजार कालोनी माणिकबाग और मिशप्रिंत सिंह उर्फ स्मार्टी पुत्र हेमेंद्र संदु निवासी दिलीप सिंह कॉलोनी मरीमाता एक दूसरे से प्रेम करते हैं। फरियादी रूद्रांश अजय मिश्रा(भोपाल) की आलिया से इंस्टाग्राम पर बातचीत होने लगी थी।रूद्रांश युवती से प्रेम करने लगा था। रिसोर्ट संचालक हेमेंद्र के बेटे स्मार्टी ने रूद्रांश को सबक सीखाने के लिए लूट का षड़यंत्र रचा। उसने आलिया के माध्यम से रुद्रांश को चौरल डेम बुलाया। साजिश के तहत रात आलिया और रुद्रांश रात 2 बजे डेम पहुंच गए। आलिया कहा था कि वह कार से उल्टियां करने के बहाने उतरेगी। जैसे ही आलिया कार से बाहर आई मिशप्रीत और उसके साथियों ने डंडों से रूद्रांश को पीटना शुरु कर दिया। पिस्टल भी अड़ा दी। रूद्रांश से सोने की चेन,अंगूठी, घड़ी मोबाइल लूट ली। जान बचाने के लिए रुद्रांश वहां से भागा। आलिया प्रेमी मिशप्रित के साथ भाग गई। दोनों शहर से बाहर भागने की फिराक में थे। पुलिस ने हेमेंद्र और शेख मसरुर को हिरासत में ले लिया।उनके माध्यम से लोकेशन निकाली और दोनों को जामगेट से महेश्वर जाते समय पकड़ लिया।

इंदौर के करीब 38 गांवों से होकर निकलेगा पूर्वी रिंग रोड

इंदौर। सिंहस्थ से पहले उज्जैन से जुड़ने वाली सड़कों का निर्माण पूरा होना है, जिसमें आउटर पूर्वी रिंग रोड अहम है। डकाच्या से लेकर पीथमपुर के बीच बनने वाली इस सड़क को लेकर जल्द ही प्रक्रिया शुरू की जाएगी। 38 गांवों से होकर सड़क निकलेगी, मगर अभी जमीन चिह्नित होना बाकी है। खास बात यह है कि निजी के बजाय सरकारी जमीन से मार्ग को निकालने में प्राथमिकता रखी गई है। अगले महीने से मार्ग के लिए सर्वे शुरू होगा। फिलहाल प्रदेश सरकार ने एमपीआरडीसी को यह जिम्मेदारी सौंपी है। सड़क निर्माण के संबंध में अभी फैसला होना बाकी है। अधिकारियों के मुताबिक, दो अलग-अलग हिस्सों में सड़क बनेगी। इसके बाद सरकारी विभाग की जमीन से जुड़ी जानकारी जुटाई जा रही है, जिसमें राजस्व और वनभूमि से सड़क को निकाला जाएगी। कंपेल, खुड़ैल, तिल्लौर, बड़गोंदा, पीथमपुर सहित 38 गांवों से पूर्वी रिंग रोड जुड़ेगा। अधिकारियों के मुताबिक 38 और 39 किमी हिस्से में सड़क बनेगी। पूर्वी रिंग रोड को लेकर खसरा तय हो चुका है। अभी इन स्थानों से कितनी भूमि की आवश्यकता है यह सुनिश्चित होना बाकी है।पूर्वी रिंग रोड बनाने को लेकर प्रदेश सरकार अभी तक जिम्मेदारी तय नहीं कर पाई है कि सड़क मप्र सड़क विकास निगम (एमपीआरडीसी) या राष्ट्रीय सड़क राजमार्ग प्राधिकरण (एनएचएआई) से बनवाई जाए। 40 महीने का समय सड़क निर्माण के लिए रखा है। प्रस्ताव के अलावा अभी प्रोजेक्ट में सर्वे, जमीन अधिग्रहण, डिजाइन, एजेंसी सहित कई कार्य बाकी हैं। मार्च 2028 से पहले सड़क तैयार करनी है।

इंदौर में ट्रैफिक में बाधक बसों के खिलाफ प्रशासन का एक्शन

हंस सहित छह ट्रेवर्ल्स के दफ्तर सील, तीन बसें जब्त

सिटी चीफ इंदौर।

इंदौर। इंदौर के व्यस्त क्षेत्रों में बसें पार्क कर प्रतिदिन सवारियां बैठाने वाले और ट्रैफिक जाम करने वाले छह ट्रेवर्ल्स के दफ्तर प्रशासन ने सील कर दिए। ढक्कनवाला कुआं मार्ग पर हंस ट्रेवर्ल्स की बसें दिनभर सड़क पर खड़ी रहती थी। गुरुवार सुबह सबसे पहले प्रशासन का दल उसके दफ्तर पहुंचा और ताला लगाकर सील लगा दी। संचालकों से अफसरों ने कहा कि बसों का संचालन शहरी सीमा से किया जाए। शहरी क्षेत्र में बसें नजर आई तो उन्हें भी जब्त किया जाएगा। ट्रैफिक पुलिस को सबसे ज्यादा शिकायतें इस ट्रेवर्ल्स को लेकर ही आती थी। जब प्रशासन की टीम मौके पर पहुंची तो वहां बसें नहीं खड़ी थी। चर्चा है कि प्रशासन के छापे की भनक संचालकों को पहले ही लग गई थी।

अफसर छोटी ग्वालटोली स्थित मुलतानी सोना ट्रेवर्ल्स के दफ्तर भी पहुंचे और दफ्तर सील कर दिया। इस ट्रेवर्ल्स की बसे भी पटेल प्रतिमा के आसपास खड़ी रहती हैं और इस कारण यातायात बाधित होता है। इसके अलावा अशोक ट्रेवर्ल्स का दफ्तर भी सील कर दिया गया है। झाबुआ टॉवर में तीन ट्रेवर्ल्स सील कर दिए गए और तीन बसें भी जब्त की गई।

व्यस्त इलाके में यात्रियों को बैठाती हैं बसें

आपको बता दे कि इंदौर में मुंडला नायता और एमआर-10 पर नए बस स्टेशन बन गए है। छह माह के भीतर इन बस स्टेशनों से बसों का संचालन शुरू करने की तैयारी प्रशासन ने की है। शहर के ज्यादातर निजी ट्रेवर्ल्स शाम के समय विजय नगर, रेडिसन चौराहा, खजराना से

यात्रियों को बैठाते हैं। इस कारण ट्रैफिक भी जाम होता है।

सड़क में बाधक बनी दरगाह भी शिफ्ट

इंदौर में सड़कों के चौड़ीकरण के दौरान धर्मस्थल भी बाधक बने हुए हैं। अब उन्हें भी हटाया जा रहा है या शिफ्ट किया जा रहा है। शहर के पश्चिमी क्षेत्र बियाबानी में गुरुवार सुबह एक दरगाह को शिफ्ट किया। प्रशासन ने भारी पुलिस बल की मौजूदगी में इस काम को अंजाम दिया। दरगाह शिफ्ट करने के लिए पहले सहमति भी बना ली गई थी,लेकिन मौके पर कोई विवाद न हो, इसके लिए पुलिस बल बुला लिया गया था। दरगाह हटाने के लिए सुबह सात बजे रिमूवल गैंग मौके पर पहुंच गई थी। एडीएम की अनुमति मिलने के बाद पहले जेसीबी से दरगाह के उपर लगे शेड हटाए गए। इसके बाद कर्मचारियों ने धीरे-धीरे सब्बल की मदद से दरगाह को हटाना शुरू किया। एक घंटे का समय इस काम में लगा। इसके बाद दरगाह को सेवाकुंज अस्पताल के समीप शिफ्ट किया गया। इससे पहले इंदौर में व्हाइट चर्च मार्ग के चौड़ीकरण में बाधक एक मजार को दस साल पहले रात को हटाया गया था। शहर के खतरनाक मकानों को भी हटाने का अभियान नगर निगम ने शुरू कर दिया है। बुधवार को तीन निर्माणों को तोड़ा गया था। गुरुवार को बड़ा गणपति क्षेत्र में एक खतरनाक मकान हटाया गया। यह मकान 80 साल पुराना है और काफी हिस्सा जर्जर हो चुका था। मकान हटाने पहुंचे अफसरों को विरोध का सामना भी करना पड़ा। मकान में रह रहे लोगों का कहना था कि यदि पूरा मकान टूट जाएगा तो उन्हें परेशानी होगी। इसके बाद अफसरों ने मकान के सिर्फ खतरनाक हिस्सों को हटाया।

नो पार्किंग से ट्रैफिक पुलिस हर माह उठाती है 3000 से अधिक गाड़ियां

इंदौर में ट्रैफिक सबसे बड़ी समस्या बनता जा रहा है। ट्रैफिक की समस्या से निपटने के लिए ट्रैफिक पुलिस, नगर निगम और प्रशासन दिनरात काम कर रहा है। इसी के चलते नो पार्किंग में खड़ी गाड़ियों को भी उठाकर ट्रैफिक थाने लाया जाता है। हर दिन ट्रैफिक पुलिस सौ से अधिक गाड़ियां ट्रैफिक थानों पर लाती है। इंदौर में पूर्व और पश्चिम दो ट्रैफिक थाने हैं। दोनों ही जगह मिलाकर सौ गाड़ियां रोज की उठती हैं। ट्रैफिक पुलिस के द्वारा पांच क्रेन लगातार चलाई जाती हैं। दोनों थानों के ट्रैफिक पुलिसकर्मी जहां पर भी नो पार्किंग में गाड़ियां खड़ी देखते हैं तुरंत क्रेन से लोगों की गाड़ियां उठा लेते हैं। हर गाड़ी वाले को ट्रैफिक थाने में पांच सौ रुपए का चालान भरना पड़ता है तब उसकी गाड़ी छूटती है। ट्रैफिक थाना टीआई लाल बहादुर ने बताया कि हम नागरिकों से लगातार पार्किंग में गाड़ियां खड़ी करने की अपील करते हैं। इसके बावजूद भी कुछ लोग नो पार्किंग में गाड़ी खड़ी कर देते हैं। इससे बार-बार जाम लगता है और जनता परेशान होती है। इन्हीं गाड़ियों को उठाकर हम ट्रैफिक थाने में लाते हैं।

नगर निगम ने कई जगह पार्किंग बनाई है लेकिन लोग वहां पर गाड़ियां खड़ी नहीं करते हैं। लोगों को पार्किंग में गाड़ी खड़ी करना चाहिए और चालान से बचना चाहिए। इंदौर में सबसे अधिक नो पार्किंग के चालान नावेल्टी मार्केट, डालर मार्केट, जेल रोड, जिला कोर्ट, राजवाड़ा, सराफा, बर्तन बाजार, कपड़ा मार्केट, अपोलो, पलासिया, 56 दुकान पर कटते हैं। इनके अलावा भी कई अन्य जगह हैं जहां पर नो पार्किंग में गाड़ी खड़ी करने पर ट्रैफिक पुलिस चालान बनाती है।

दुबई में विमान पार्किंग को लेकर संकट, टाइम स्लॉट नहीं मिल रहा, हुआ बड़ा फैसला

इंदौर-दुबई उड़ान बंद, अब सप्ताह में चार दिन शारजाह जाएगी फ्लाइट

सिटी चीफ इंदौर।

इंदौर। पांच साल पहले शुरू हुई इंदौर-दुबई उड़ान का संचालन एयर इंडिया ने बंद कर दिया है। अब इंदौर से शारजाह के लिए चार दिन की उड़ान रहेगी। दुबई और शारजाह के बीच की दूरी ज्यादा नहीं है, इसलिए इंदौर से दुबई जाने वाले यात्रियों को परेशानी नहीं आएगी, लेकिन जिन यात्रियों को दुबई से दूसरे देशों के लिए कनेक्टिंग फ्लाइट पकड़ना होती है, उन्हें जरुर ज्यादा समय लगेगा। शारजाह की अपेक्षा दुबई से यूरोप व एशिया के अन्य देशों के लिए उड़ानें है। इंदौर से दुबई उड़ान का संचालन होने के बाद इंदौर को अंतरराष्ट्रीय एयरपोर्ट का दर्जा मिला था। इंदौर और उज्जैन संभाग से पर्यटन के अलावा कारोबार के सिलसिले में काफी लोग दुबई जाते थे। सप्ताह में जो विमान दो दिन दुबई जाता था और एक दिन शारजाह जाता था, लेकिन अब इंदौर से शारजाह के लिए चार दिन उड़ान संचालित होगी। शारजाह उड़ान में बिजनेस क्लास की सुविधा भी बढ़ाई गई है। दुबई एयरपोर्ट देश के व्यस्त विमानतलों में से एक है। यहां विमान पार्किंग को लेकर भी संकट रहता है। माना जा रहा है कि टाइम स्लॉट नहीं मिलने के कारण इंदौर-दुबई उड़ान बंद हुई है। भविष्य में इंदौर से दुबई के लिए यह फिर शुरू हो सकती है।

इन चार दिनों में रहेगी शारजाह फ्लाइट

शारजाह उड़ान शारजाह से रविवार, मंगलवार, गुरुवार, शनिवार को इंदौर आएगी और इंदौर से सोमवार, बुधवार,

शुक्रवार और रविवार को उड़ान वापस रवाना होगी। इंदौर और शारजाह के बीच एक अप्रैल 2023 में सप्ताह में तीन दिन एयर इंडिया एक्सप्रेस ने उड़ान शुरू की थी। शुक्रवार को दुबई की उड़ान भी संचालित होती थी। इस वजह से शारजाह की शुक्रवार की उड़ान को बंद कर दिया गया था। दोनों उड़ान एक ही दिन होने से शारजाह उड़ान को कम यात्री मिल रहे थे। वर्तमान में सप्ताह में दो दिन ही शारजाह उड़ान संचालित हो रही है।

ऐसा रहेगा शारजाह का शेड्यूल

इंदौर-शारजाह - आईएक्स 255 उड़ान इंदौर से रात्रि 12.10 बजे रवाना होकर यूएई समय अनुसार 2.05 बजे शारजाह पहुंचेगी।

शारजाह-इंदौर - आईएक्स 256 उड़ान यूएई समय अनुसार 17.50 बजे शारजाह से रवाना होकर रात्रि 10.35 बजे इंदौर पहुंचेगी।

दुबई उड़ान की बुकिंग बंद

इंदौर से दुबई के लिए चलने वाली एकमात्र सीधी उड़ान की बुकिंग बंद हो चुकी है।

इंदौर से यात्रियों को शारजाह पहुंचकर सड़क मार्ग से दुबई जाना होगा। इससे यात्रियों की जेब पर अतिरिक्त राशि का भार भी पड़ेगा।

दुबई की अपेक्षा शारजाह एयरपोर्ट पर उड़ानों का संचालन कम होने से यात्रियों को चेकइन और चेकआउट में परेशानी नहीं होगी।

सेहत से खिलवाड़... गंदगी में फूड प्रोडक्ट बनाने वाली दो फैक्टरियां सील

सिटी चीफ इंदौर।

इंदौर। इंदौर में बच्चों की सेहत से खिलवाड़ करने का मामला सामने आया है। इंदौर में दो फैक्टरियों में गंदगी के बीच चॉकलेट और अन्य उत्पाद बनाए जा रहे थे। कलेक्टर आशीष सिंह को इसकी जानकारी मिली तो उन्होंने खाद्य विभाग को जांच के लिए कहा। खाद्य विभाग को जांच में फैक्टरियों में कई तरह की अनियमितताएं मिली। जिला खाद्य अधिकारी मनीष स्वामी ने बताया कि बच्चों की सेहत से खिलवाड़ कर रही श्री नाथ एजेंसी, 67/2. हिम्मत नगर और आनंद प्रोडक्ट्स 329/2, पालिया को सील कर दिया गया है। वहां बदबूदार परिसर में चॉकलेट निर्माण हो रहा था। जब खाद्य विभाग की टीम ने कार्रवाई की तब परिसर में गंदगी मिली। ड्रेनेज सिस्टम तक चोक था और ड्रेनेज का पानी परिसर के अंदर तक फैला हुआ था। इसके साथ वहां पर कई एक्सपायरी फूड प्रोडक्ट भी मिले हैं। विभाग के द्वारा फैक्टरियों का प्रोडक्शन रोक दिया गया है।

दूध, बटर, क्रीम, घी के सैंपल लिए

एडीएम गौरव बैनल के नेतृत्व में खाद्य सुरक्षा विभाग के अधिकारियों ने श्री नाथ एजेंसी, 67/2. हिम्मत नगर और आनंद प्रोडक्ट्स 329/2, पालिया का निरीक्षण किया गया। श्रीनाथ एजेंसी पर घी, बटर, क्रीम, दूध का स्टॉक मिला। साथ ही यहां निर्माण भी जारी था। टीम ने यहां से राजशाही ब्राण्ड का दूध, बटर, क्रीम, घी, सप्रेटा दूध के सैंपल लिए।

एक्सपायरी प्रोडक्ट्स पाए गए

आनंद प्रोडक्ट्स पर चॉकलेट्स, चिप्स, वेफर्स, मिल्की और अन्य कन्फेक्शनरी का निर्माण और स्टॉक पाया। यहां अत्याधिक मात्रा में एक्सपायरी प्रोडक्ट्स पाए गए। यहां चोको कोन, मिल्की मिठाई, अन्ना मलाई चाकलेट बार के सैंपल लिए गए। साथ ही 14418 पैकेट जब्त किए गए। इसकी कीमत 4.5 लाख रुपए है। दोनों फैक्टरियों को सील किया गया है।

कई जगह हो रही सैंपलिंग

खाद्य अधिकारी मनीष स्वामी ने बताया कि शहर में कई जगह सैंपलिंग का काम चल रहा है। डेयरी, खाद्य फैक्टरी और भंडारों की जांच की जा रही है। त्योहार का सीजन भी आने वाला है और कई व्यापारियों के द्वारा अमानक उत्पाद रखने की शिकायत मिलती है। इसी के चलते सभी जगह विभाग लगातार जांच कर रहा है।

इंदौर में बीच सड़क पर यातायात में बाधक बन रही थी दरगाह, नगर निगम ने कर दी शिफ्ट

सिटी चीफ इंदौर।

इंदौर शहर के गंगवाल से सरवटे बस स्टैंड तक निर्माणाधीन सड़क की एक बड़ी बाधा गुरुवार को दूर हो गई। भारी पुलिस बल की मौजूदगी में नगर निगम के अमले ने बियाबानी चौराहे पर बीच सड़क बनी दरगाह को शिफ्ट कर दिया।इसे सेवालय अस्पताल के पास खाली पड़ी सरकारी जमीन पर जगह दी गई है। कार्रवाई करीब ढाई घंटे चली। जिला प्रशासन और नगर निगम ने दरगाह को शिफ्ट करने से पहले ही सभी संबंधित पक्षों से सहमति ले ली थी।

यही वजह थी कि गुरुवार कार्रवाई के दौरान किसी विवाद की स्थिति नहीं बन सकी। दरगाह की वजह से बियाबानी चौराहे पर अक्सर जाम की स्थिति बनती थी। नईदुनिया ने अपने अभियान सड़क पर आई सड़कें में यातायात में बाधक बन रहे धर्मस्थलों का मुद्दा प्रमुखता से उठाया था।

दरअसल गंगवाल से सरवटे बस स्टैंड तक बनने वाली सड़क के गंगवाल से सिलावटपुरा होते हुए दरगाह चौराहा तक के एक किमी लंबे हिस्से में 10

धर्मस्थल हैं जो यातायात में बाधक हैं और सड़क के बीचोंबीच हैं। इन धर्मस्थलों की वजह से एक किमी लंबी इस सड़क का काम लंबे समय से अधूरा है।

दरगाह शिफ्टिंग के लिए नगर निगम का अमला सुबह करीब 9.30 बजे बियाबानी चौराहा पहुंच गया था। उपायुक्त लता अग्रवाल और सहायक रिमूवल अधिकारी बबलू कल्याणे ने बताया कि पहले दरगाह के ऊपर बना शेड हटाया गया।

इसके बाद दरगाह शिफ्टिंग की कार्रवाई शुरू हुई। इधर नगर निगम के दूसरे दल ने सेवालय अस्पताल के पास गड्ढा तैयार कर लिया। शिफ्टिंग के दौरान विवाद होने की आशंका के चलते भारी संख्या में पुलिस बल तैनात थी। यह दरगाह काफी पुरानी थी। इसे शिफ्ट करने के लिए पहले भी योजना बनी थी।

और भी धर्म स्थल जो सड़क पर हैं

गंगवाल बस स्टैंड से सिलावटपुरा होते हुए दरगाह चौराहा तक एक किमी लंबी सड़क पर 10 धर्मस्थल हैं जिनकी वजह से इस सड़क का काम नहीं हो पा रहा है। अधीक्षक यंत्री डीआर लोधी ने बताया कि दरगाह शिफ्टिंग के बाद इन धर्मस्थलों को भी शिफ्टिंग के लिए योजना बनाई जा रही है।

जल्द ही सहमति के आधार पर इन्हें शिफ्ट कर दिया जाएगा। कुछ धर्मस्थलों को इतवारिया बाजार चौराहे पर बने मंदिर कॉम्प्लेक्स में शिफ्ट किया जा सकता है। धर्मस्थलों के शिफ्ट होने के बाद सड़क का बचा हुआ काम किया जाएगा।

सुबह 11 से शाम 6 बजे तक चलेगा पीसीसी दफ्तर... कांग्रेसियों ने ही तोड़ा बोर्ड

सिटी चीफ भोपाल।

भोपाल। मध्यप्रदेश कांग्रेस अजीबोगरीब निर्णय लेने के कारण चर्चा में बनी रहती है। अब एक नया फरमान जारी हुआ है जो कि राजनीतिक दलों में हास्य का विषय बन गया है। कांग्रेस का प्रदेश कार्यालय पीसीसी सुबह 11 से शाम 6 बजे तक संचालित होगा वहीं रविवार छुट्टी रहेगी। इसको लेकर कार्यालय के बाहर बोर्ड भी लगा दिए गए। जैसे ही ये बोर्ड लगे दिखे तो इस पर चर्चाएं शुरू हो गईं। बीजेपी के नेताओं ने भी तंज कसना शुरू कर दिया। बीजेपी ने कहा कि अब कांग्रेस कॉरपोरेट कल्चर में चलेगी। इसके बाद कांग्रेस के ही प्रवक्ता अमित शर्मा ने बोर्ड तोड़ दिए। जैसे ही पोस्ट की पिक्चर वायरल हुई बीजेपी प्रवक्ता नरेंद्र सलूजा ने ट्वीट कर कहा कि पार्ट टाइम अध्यक्ष की, पार्ट टाइम कांग्रेस शायद कांग्रेस के राष्ट्रीय प्रवक्ता पवन खेड़ा ठीक ही कहते है कि मध्यप्रदेश में कांग्रेस के नेताओं की सत्ता की खुमारी अभी तक नहीं उतरी है, वे खुद को अभी भी सत्ता में ही समझ रहे हैं। जीतू पटवारी के अध्यक्ष बनने के बाद हजारो कांग्रेसजन कांग्रेस छोड़ चुके हैं, थोड़े से कांग्रेसजन ही बचे हैं।

सलूजा ने लिखा कि अब उनसे मिलने के लिए भी मध्यप्रदेश कांग्रेस मुख्यालय में सुबह 11 बजे से शाम 6 बजे तक का समय निर्धारित रविवार को पूर्ण अवकाश कॉपोरेट कल्चर पर अब चलेगी जीतू पटवारी की कांग्रेस। शाम 6 बजे बाद और रविवार को अब सरूर और मस्ती में दिखेंगे कांग्रेसजन। जीतू पटवारी के इस निर्णय को उन्हीं के प्रवक्ताओं ने दिखाया ठेंगा। बोर्ड उखाड़कर फेका? अब कांग्रेस में तो यह होता ही आया है कि मनमोहन सिंह के अध्यादेश को राहुल गांधी ने फाड डाला था और अब एमपी में जीतू पटवारी के आदेश को उनके प्रवक्ताओं ने ही धूल चटा दी। अजब कांग्रेस - गजब कांग्रेस।

सज्जन सिंह वर्मा का बयान

इस मामले में सज्जन सिंह वर्मा का बयान आया है उन्होंने कहा कि अभी पीसीसी में रेनोवेशन चल रहा है। हमारे जीतू पटवारी का ऑफिस को लेकर जो दृष्टिकोण है कि ऑफिस ऐसा होना चाहिए। तो उसके लिए टाइम नहीं मिल पा रहा है। इसलिए अभी संडे के लिए कहा है। पूरी बिल्डिंग का रेनोवेशन हो रहा है। असल में जो कारीगर, कारपेंटर काम कर रहे हैं उनको सही टाइम नहीं मिल पा रहा है। 11 से 6 बजे तक और संडे ऑफ करके एक दो वीक में काम कम्पलीट हो जाए।

कांग्रेस कार्यालय को हो रहा कायाकल्प

गौरतलब है कि कमलनाथ के प्रदेश अध्यक्ष पद से हटाने के बाद जीतू पटवारी को पीसीसी चीफ बनाया गया है। जिसके बाद से कांग्रेस कार्यालय का कायाकल्प किया जा रहा है। ऑफिस में इंटीरियर डेकोरेशन से लेकर फर्नीचर, बैठक व्यवस्था और कक्षों की साज सज्जा की जा रही है।

इस रेनोवेशन के बाद ऑफिस में साइन बोर्ड, पदनाम पट्टिकाएं भी लगाई जा रहीं हैं। गुरुवार को मेन गेट पर ऑफिस टाइमिंग और संडे की छुट्टी के बोर्ड से कांग्रेस में ही विरोधाभासी स्थिति नजर आई। कांग्रेस प्रवक्ता विवेक त्रिपाठी और अमित शर्मा ने गेटों पर लगे बोर्ड खुद तोड़कर विवाद को बढ़ने से रोकने की कोशिश की।

मेडिकल कॉलेज में चिकित्सकों की भर्ती में 10 साल छूट देने की तैयारी

सिटी चीफ भोपाल।

भोपाल। मध्यप्रदेश के मेडिकल कालेजों में होने वाली प्रोफेसरों की नियुक्ति प्रक्रिया में चिकित्सा शिक्षा विभाग 10 साल की छूट देने की तैयारी कर रहा है। इसके लिए चिकित्सा शिक्षा संचालनालय ने जीएडी को प्रस्ताव भी भेजा है। उम्मीद की जा रही है, कि जल्द ही इस प्रस्ताव पर कैबिनेट की मुहर लग सकती है। मेडिकल कॉलेजों में अब 50 साल की उम्र तक असिस्टेंड प्रोफेसर के पद पर नियुक्ति हो सकेगी। अभी तक अधिकतम आयु 40 वर्ष थी।

पढ़ाई करते-करते ही 32 पर हो जाती है उम्र

मेडिकल कॉलेज में पढ़ाई करने वाले चिकित्सकों का कहना है कि एमडी-एमएस की पढ़ाई पूरी करने में ही डाक्टरों की उम्र 32 पार हो जाती है। इसके बाद उसे बांड अवधि भी पूरी करनी होती है। वहीं यदि डॉक्टर का चयन सुपर स्पेशियलिटी में चयन हो गया तो इसमें 4 साल और लग जाते हैं। इसके बाद एक साल सीनियर रेजिडेंट के पद पर रहने के बाद ही डाक्टर असिस्टेंड प्रोफेसर बनने का पात्र होता है। इस पूरी प्रक्रिया में डाक्टर की उम्र 40 साल पहुंच जाती है और ओव्हर एज होने से असिस्टेंड प्रोफेसर नहीं बन पाते।

पहले भी भेजा जा चुका है प्रस्ताव

अधिकारियों ने बताया कि एक पहले भी मेडिकल कालेजों में असिस्टेंड प्रोफेसरों की नियुतिक्ति की उम्र सीमा बढ़ाने को लेकर प्रस्ताव

भेजा जा चुका है। लेकिन तब जीएडी ने यह कहते हुए प्रस्ताव को वापस कर दिया था, कि किसी एक विभाग के लिए उम्र सीमा में बदलाव नहीं किया जा सकता है। ऐसे में इस बार चिकित्सा शिक्षा संचालनालय ने इसे विशेष प्रकरण बताकर जीएडी को भेजा है। इसके बाद इसे केबिनेट में रखा जाएगा।

इन मेडिकल कॉलेज में नियम नहीं होगा लागू

इस प्रस्ताव में स्पष्ट तौर बताया गया है कि यह निजी मेडिकल कॉलेजों में लागू नहीं होगा। निजी कॉलेज अपने हिसाब से असिस्टेंड प्रोफेसरों की आयु सीमा तय करने के लिए स्वतंत्र होंगे। बता दें कि अब तक शासकीय मेडिकल कालेजों में असिस्टेंड प्रोफेसरों की भर्ती के लिए 40 साल की आयु सीमा तय की गई है। वहीं आरक्षित वर्ग को इसमें 5 साल की छूट देते हुए 45 वर्ष तय की गई है. सरकार के आधीन अभी सिंगरौली और श्योपुर मेडिकल कालेज में इस साल भर्ती प्रक्रिया शुरू होगी। मंडला, बुधनी और राजगढ़ मेडिकल कालेज में आगे साल से सत्र प्रारंभ होगा। इन कालेजों में नए नियमों के तहत ही भर्ती होगी।

नगरीय निकायों को आयुक्त के निर्देश

खतरनाक और जर्जर भवनों को हटाने के लिए सख्ती से करें कार्रवाई

सिटी चीफ भोपाल।

भोपाल। मध्यप्रदेश में जर्जर भवनों की दीवार और छज्जा गिरने से दुर्घटनाओं के लगातार मामले सामने आ रहे हैं। अब इसको लेकर प्रदेश सरकार गंभीर हुई है। नगरीय प्रशासन एवं विकास आयुक्त भरत यादव ने नगरीय निकायों को जर्जर भवनों पर सख्त कार्रवाई करने के निर्देश दिए हैं। नगर पालिका अधिनियम 1956 और मध्यप्रदेश नगर पालिका अधिनियम 1961 के अनुसार जर्जर भवनों पर कार्रवाई करने का प्रावधान है।

आयुक्त ने नगरीय निकायों को हिदायत दी है कि जीर्ण-क्षीर्ण भवनों के संबंध में केवल सूचना-पत्र जारी करके खानापूर्ति न करें। बल्कि इससे संबंधित समुचित कार्यवाही सुनिश्चित की जाए। उन्होंने कहा कि जर्जर निजी अथवा शासकीय भवनों को नोटिस दिए जाने की सूचना तथा उसकी सूची जिला प्रशासन एवं पुलिस प्रशासन को आवश्यक रूप से उपलब्ध कराई जाए। इसके अलावा, जर्जर भवन में रह रहे परिवारों के व्यवस्थापन की कार्यवाही सुनिश्चित की जाए और उन्हें जर्जर भवन खाली करने के लिए कहा जाए। इसके बावजूद यदि परिवार भवन खाली नहीं करता है, तो भवन की बिजली एवं जल प्रदाय कनेक्शन काटने की कार्रवाई तेजी से की जाए।

बता दें, सागर में जर्जर भवन की दीवार गिरने गिरने से उसकी चपेट में आने से नौ बच्चों की मौत हो गई थी। इससे पहले रीवा में स्कूल से लौटते वक्त चार बच्चों की दीवार गिरने से मौत हो गई थी। इस तरह के मामले लगातार सामने आ रहे हैं। अब प्रशासन ने इन पर संज्ञान लिया है।

काटजू अस्पताल से होगी ई-रुपी मॉडल की शुरुआत

गर्भवती महिलाओं की निजी केंद्रों पर होगी निःशुल्क सोनोग्राफी

सिटी चीफ भोपाल।

भोपाल। जननी शिशु सुरक्षा कार्यक्रम के अंतर्गत निशुल्क सोनोग्राफी सुविधाओं में विस्तार करते हुए ई रुपी सुविधा शुरू की जा रही है, जिसके माध्यम से शासकीय स्वास्थ्य संस्थाओं में आने वाली गर्भवती महिलाओं की सोनोग्राफी चिन्हित निजी सोनोग्राफी केंद्रों में निशुल्क होगी।

नौ अगस्त को यानी आज एक्सटेंडेड प्रधानमंत्री सुरक्षित मातृत्व अभियान के अवसर पर ई रूपी माडल की शुरुआत राजधानी के डॉ. कैलाशनाथ काटजू महिला चिकित्सालय से की जाएगी। जिले में पीसीपीएनडीटी एक्ट अंतर्गत पंजीकृत निजी सोनोग्राफी सेंटर द्वारा शासकीय स्वास्थ्य संस्थाओं से भेजी गई गर्भवती महिलाओं को सोनोग्राफी की सुविधा निशुल्क प्रदान की जाएगी। निजी क्षेत्र के पंजीकृत सोनोग्राफी सेंटर को सोनोग्राफी उपरांत डिजिटल पेमेंट पद्धति से भुगतान किया जाएगा।

जिले के मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. प्रभाकर तिवारी ने बताया कि निजी क्षेत्र के पंजीकृत सोनोग्राफी सेंटर द्वारा गर्भवती महिलाओं की सोनोग्राफी करने के लिए सहमति ली गई है। शासकीय चिकित्सालयों से रेफर गर्भवती महिलाओं की सोनोग्राफी निशुल्क की जाएगी।

भोपाल कमिश्नर पवन शर्मा और वित्त सचिव अजीत कुमार केंद्र में जाएंगे

सिटी चीफ भोपाल।

भोपाल। भोपाल कमिशनर पवन शर्मा और वित्त विभाग के सचिव अजीत कुमार प्रतिनियुक्ति पर केंद्र जाएंगे। 1999 बैच के अधिकारी शर्मा को रक्षा मंत्रालय का संयुक्त सचिव बनाया गया है। 2002 बैच के अधिकारी कुमार को चुनाव आयोग में उप चुनाव आयुक्त के पद पर तैनात किया गया है। इससे पहले निकुंज श्रीवास्तव, हर्ष दीक्षित और बक्की कार्तिकेयन भी केंद्र में प्रतिनियुक्ति पर भेजने के आदेश जारी हो गए है। इसी तरह मसूरी स्थित लाल बहादुर शास्त्री अकादमी में तैनात आईएएस अधिकारी छवि भारद्वाज और नंदकुमारम को भी दिल्ली भेजा गया है। भारद्वाज को कार्मिक एवं प्रशिक्षण विभाग (डीओपीटी) में संयुक्त सचिव और नंदकुमारम को राष्ट्रीय ई-गवर्नेंस सिस्टम का सीईओ नियुक्त किया गया है। राज्य की एक अन्य आईएएस अधिकारी दीप्ति गौर मुखर्जी को

सचिव पद के लिए पैनल में शामिल किया गया है। इससे पहले कई अन्य अधिकारी जैसे कि आकाश त्रिपाठी, ज्ञानेश्वर पाटिल, राहुल जैन, संकेत भोंडवे, शशांक मिश्रा, जेपी आइरिन सिंथिया, विकास नरवाल, स्वाती मीणा नायक, नंदकुमारम, विशेष गढ़पाले, षणमुगा मिश्रा, विजय कुमार जे, आशीष भार्गव, रूही खान पहले से ही दिल्ली में प्रतिनियुक्ति पर हैं। केंद्र में पदस्थ अन्य अधिकारियों में अनुराग जैन, आशीष उपाध्याय, अलका उपाध्याय, मनोज गोविल, पंकज अग्रवाल, आशीष श्रीवास्तव, वीएल कांताराव, नीलम शमी राव, दीप्ति गौड़ मुखर्जी, हरिरंजन राव, पल्लवी जैन गोविल, नीतेश कुमार व्यास, फैज अहमद किदवई, केरोलिन खोंगवार देशमुख शामिल हैं।

मध्य प्रदेश को मिलेगी बड़ी सौगात, गूगल क्लाउड स्थापित करेगा स्टार्टअप हब

सिटी चीफ भोपाल।

प्रदेश को इंडस्ट्री हब बनाने के दिशा में लगातार काम कर रही मध्य प्रदेश सरकार के बेंगलुरु में दो दिवसीय इंवेस्ट-मध्य प्रदेश के आयोजन में प्रदेश के लिए 3200 करोड़ के निवेश प्रस्ताव आए हैं। इससे सात हजार रोजगार सृजित होंगे। गूगल क्लाउड ने कुशल कार्य बल बढ़ाने के लिए प्रदेश में स्टार्टअप हब और सेंटर आफ एक्सीलेंस की स्थापना का प्रस्ताव दिया है।

तेजस विमान के निर्माता हिंदुस्तान एयरोनॉटिक्स लिमिटेड ने प्रदेश में रक्षा संबंधी उद्योग स्थापित करने में रुचि दिखाई है। एन वीडिया ने प्रदेश को भारत की इंटेलिजेंस राजधानी के रूप में विकसित करने के लिए ब्लू प्रिंट तैयार करने का सुझाव दिया है। गुरुवार को बेंगलुरु में हुए इन्वेस्ट-मध्य प्रदेश के इंटरेक्टिव सत्र के दौरान मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा कि मध्य प्रदेश और कर्नाटक का भाई-भाई का संबंध है, दोनों रायों में एक सा वातावरण है।

कर्नाटक में व्यापार, व्यवसाय और उद्योग संचालकों को अपनी गतिविधियों के विस्तार के लिए और स्थान मिले, इसी उद्देश्य से इन्वेस्ट मध्य प्रदेश कार्यक्रम कर्नाटक में आयोजित किया गया। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने बेंगलुरु में इस आयोजन के बाद पत्रकारों से बातचीत में यह जानकारी दी। बताया कि यहां प्राप्त निवेश प्रस्तावों के सकारात्मक परिणाम 28 अगस्त को ग्वालियर में होने वाली रीजनल इंडस्ट्री कान्क्लेव में दिखेंगे।

उन्होंने कहा कि मध्य प्रदेश में निवेश आमंत्रित करने के लिए राय सरकार ने अलग-अलग रायों में जाकर वहां के उद्यमियों और उद्योगपतियों से चर्चा की योजना बनाई थी। इस दिशा में ठोस परिणाम सामने आ रहे हैं। प्रदेश में निवेश के लिए राय सरकार के विभागों ने प्रस्तुतीकरण दिया। वहीं राउंड टेबल मीटिंग के साथ अनुभवों का आदान-प्रदान भी हुआ।

कार्यक्रम में मनिपाल ग्रुप के मोहनदास पाई, लैप इंडिया के चीफ ऑपरेशन ऑफिसर शिव वेंकटरामानी और इंफोबींस के एमडी सिद्धार्थ सेठी ने अपने अनुभव साझा किए। मोहनदास पाई ने कहा कि मध्य प्रदेश में पर्याप्त लैंड-बैंक, उद्योग मित्र नीतियां, उपयुक्त अधो संरचना और प्रशिक्षित मानव संसाधन उपलब्ध हैं। निश्चित ही मध्य प्रदेश देश में औद्योगिक गतिविधियों का केंद्र होगा।

एमपीआइडीसी और इंडिया इलेक्ट्रानिक्स सेमीकंडक्टर एसोसिएशन (आइईएसए), टाई ग्लोबल, इलेक्ट्रानिक इंडस्ट्रीज एसोसिएशन आफ इंडिया (ईएलसीआइएनए) और एसोसिएशन आफजियो स्पेशियल इंडस्ट्रीज (एजीआइ) के मध्य एमओयू पर हस्ताक्षर भी हुए। इन्वेस्ट मप्र में कर्नाटक सहित अन्य रायों के 500 से अधिक प्रतिभागियों ने भागीदारी की। वहीं ब्रिटेन, इटली, फ्रांस, आस्ट्रेलिया, स्विट्जरलैंड सहित कई देशों के प्रतिनिधि भी शामिल हुए।

सम्पादकीय

प. बंगाल की राजनीति के अंतिम भद्रलोक बुद्धदेव भट्टाचार्य

बुद्धदेव भट्टाचार्य साल 2000 से 2011 तक पश्चिम बंगाल के मुख्यमंत्री रहे थे। इसके साथ ही वे कम्युनिस्ट पार्टी ऑफ इंडिया (मार्क्सवादी) के पोलितब्यूरो के सदस्य भी रह चुके हैं। उनकी सादगी मशहूर रही। सीएम रहने के दौरान भी उन्होंने बड़ा बंगला लेने से इनकार कर दिया था। परिवार कोलकाता के बालीगंज में दो कमरे के अपार्टमेंट में रहता है। वे दशकों तक दो कमरों के अपार्टमेंट में रहे और उसी आवास से मुख्यमंत्री के रूप में काम किया। पांच दशक की लंबी राजनीति, 18 साल तक मंत्री और 11 साल सीएम रहने के बाद भी उनके पास कार और बंगला नहीं रहा।

पश्चिम बंगाल में सियासी गलियारों में गुरुवार को शोक की लहर दौड़ गई। यहां के पूर्व मुख्यमंत्री बुद्धदेव भट्टाचार्य का निधन हो गया। वे लंबे समय से बीमार चल रहे थे। उन्होंने 80 साल की उम्र में आखिरी सांस ली। भट्टाचार्य साल 2000 से 2011 तक पश्चिम बंगाल के मुख्यमंत्री रहे थे। इसके साथ ही वे कम्युनिस्ट पार्टी ऑफ इंडिया (मार्क्सवादी) के पोलितब्यूरो के सदस्य भी रह चुके हैं। उनकी सादगी मशहूर रही। सीएम रहने के दौरान भी उन्होंने बड़ा बंगला लेने से इनकार कर दिया था। परिवार कोलकाता के बालीगंज में दो कमरे के अपार्टमेंट में रहता है। वे दशकों तक दो कमरों के अपार्टमेंट में रहे और उसी आवास से मुख्यमंत्री के रूप में काम किया। पांच दशक की लंबी राजनीति, 18 साल तक मंत्री और 11 साल सीएम रहने के बाद भी उनके पास बंगला और कार नहीं रहा। वे अपनी सैलरी भी पार्टी फंड में देते रहे। उनकी पत्नी मीरा भट्टाचार्य एक कॉलेज में लायब्रेरियन थीं और बुद्धदेव बाबू के मुख्यमंत्री बन जाने के बाद भी वे उसी तरह नौकरी करती रहीं तथा पब्लिक ट्रांसपोर्ट से सफर करती रहीं। उनके परिवार ने कभी कोई सरकारी कार इस्तेमाल नहीं की। ऐसी सादगी बंगाली लोक को बहुत लुभाती थी। इसीलिए वे 10 वर्ष से ऊपर मुख्यमंत्री रहे। उनकी पार्टी के कुछ कॉमरेड उन्हें मार्क्सवादी कम, बंगाली ज्यादा मानते थे। उनके पहनावे और बातचीत के सलीके के चलते कुछ दूसरे कॉमरेड उन्हें भद्रलोक कहा करते थे। आर्थिक उदारवाद लागू करने और पूंजीवाद के साथ तालमेल बिठाने के चलते कुछ कॉमरेड उन्हें 'बंगाली गोर्बाचोव' भी कहते थे। पहले ज्योति बसु की कैबिनेट में अहम मंत्री और बाद में 2000 से लेकर 2011 तक पश्चिम बंगाल के मुख्यमंत्री के तौर पर, उन्हें ऐसे शख्स के तौर पर देखा गया, जिन्हें दिनभर की सियासत और कामकाजी व्यस्तता के बाद यूरोपीय फिल्मकारों की बेहतरीन फिल्में देखना पसंद था। बुद्धदेव भट्टाचार्य की दिलचस्पी का दायरा राजनीति से इतर साहित्य, थिएटर, सिनेमा और संगीत तक फैला हुआ था। वे घंटों टैगोर की कविताओं को सुना सकते थे और पाब्लो नेरूदा की कविताओं का जिक्र कर सकते थे। बुद्धदेव भट्टाचार्य नामचीन बंगाली वामपंथी कवि सुकांतो भट्टाचार्य के भतीजे थे और मंत्री रहते हुए उन्होंने कुछ नाटक लिखे जिनका मंचन भी हुआ। 1990 के शुरुआती सालों में उन्होंने मंत्री पद से इस्तीफा देकर अपने मेंटॉर ज्योति बसु को हतप्रभ कर दिया था हालांकि बाद में ज्योति बसु ने उन्हें मंत्रीमंडल में वापसी करने के लिए मना लिया था। जब वे सरकार से बाहर थे तब उन्होंने एक दुसमय (खराब समय) शीर्षक से एक नाटक लिखा था, एक तरह से यह नाटक उनकी अपनी उहापोह पर आधारित था। वे उस वक्त वामपंथी विचारधारा के साथ समझौता करने में खुद को असमर्थ पा रहे थे। कहा जाता है कि बंगाल में औद्योगीकरण अभियान की शुरुआत बुद्धदेव भट्टाचार्य ने ही की थी। उन्होंने ही टाटा की नैनो का उत्पादन प्लांट कोलकाता के पास स्थित सिंगुर में स्थापित कराया था। साल 2009 के लोकसभा चुनाव में उनकी पार्टी को करारी हार का सामना करना पड़ा। इसके बाद साल 2011 के विधानसभा चुनाव में भी उन्हें तृणमूल कांग्रेस (टीएमसी) के उम्मीदवार मनीष गुप्ता के हाथों मात मिली थी। सीपीआई (एम) के वरिष्ठ नेता बुद्धदेव भट्टाचार्य करीब 18 साल तक ज्योति बसु के मंत्रिमंडल में मंत्री रहे और गृह मंत्रालय समेत कई महत्वपूर्ण मंत्रालयों में काम किया। वे पहली बार 1977 में कोसीपुर विधानसभा क्षेत्र से विधायक चुने गए और सन् 1987 में संस्कृति मंत्री बने।

मध्यप्रदेश में हर पांचवां व्यक्ति आदिवासी!

आबादी के लिहाज से मध्यप्रदेश को आदिवासी राज्य कहा जाए तो भी कोई अतिशयोक्तिच नहीं होगी। मध्यप्रदेश में देश की सबसे अधिक जनजातीय जनसंख्या है। देश की कुल आदिवासी आबादी का 14.70 प्रतिशत (वर्ष 2011 की जनगणना) यहां निवास करता है। देश की जनजातीय आबादी 10.4 करोड़ है और मध्यप्रदेश की 1.53 करोड़। यह राज्य की कुल आबादी का लगभग 21.1त्न है। मतलब मप्र में हर पांचवां व्यक्तिआदिवासी है। इसलिए सभी राजनीतिक पार्टियां चुनाव के मद्देनजर इस वर्ग की अहमियत समझती हैं। हालांकि, तमाम वादों और घोषणाओं के बावजूद इस वर्ग की हालत अच्छी नहीं है और अकसर मध्यप्रदेश में इस वर्ग के लोगों के उत्पीड़न के मामले सामने आते रहते हैं।

भारत ही नहीं, दुनिया के तमाम देशों में आदिवासी समुदाय के लोग रहते हैं, जिनका रहन-सहन, खानपान, रीति-रिवाज सबकुछ आम लोगों से अलग होता है। समाज की मुख्यधारा से कटे होने के कारण आदिवासी आज भी पिछड़े हुए हैं। यही वजह है कि भारत समेत तमाम देशों में इनके उत्थान के लिए, इन्हें बढ़ावा देने और इनके अधिकारों की ओर ध्यान आकर्षित करने के लिए 9 अगस्त को विश्व आदिवासी दिवस मनाया जाता है। बता दें कि संयुक्तराष्ट्र महासभा ने पहली बार 1994 को अंतरराष्ट्रीय आदिवासी वर्ष घोषित किया था।

आदिवासी समुदाय के लोगों की भाषाएं, संस्कृति, त्योहार, रीति-रिवाज और पहनावा सब कुछ अन्य समाज के लोगों से अलग होता है। यही वजह है कि ये लोग समाज की मुख्यधारा से नहीं जुड़ पाए हैं। रिपोर्ट्स के मुताबिक इनकी संख्या आज भी समय के साथ घटती जा रही है। आज भी आदिवासी समाज के लोगों को अपना अस्तित्व, संस्कृति और सम्मान बचाने के लिए संघर्ष करना पड़ रहा है। इसकी एक मुख्य वजह यह है कि ये लोग प्रकृति से समीप रहना ज्यादा पसंद करते हैं और जंगलों में रहते हैं जिसकी वजह से ये मुख्यधारा से कटे रहते हैं। आज जंगल घटते जा रहे हैं जिसकी वजह से इनकी संख्या भी कम होती जा रही है।

आदिवासी समाज के लोगों का मुख्य आहार आज भी पेड़-पौधों से जुड़ा है, इनके धर्म-त्योहार भी प्रकृति से जुड़े हैं। दुनियाभर में 500 मिलियन के करीब आदिवासी रहते हैं और 7000 भाषाएं बोलते हैं, 5000 संस्कृतियों के साथ दुनिया के 22 प्रतिशत भूमि पर इनका कब्जा है। इनकी वजह से पर्यावरण संरक्षित है। साल 2016 में 2680 ट्राइबल भाषाएं विलुप्त होने की कगार पर थीं। इसीलिए संयुक्त राष्ट्र ने इन भाषाओं और इस समाज के लोगों को समझने और समझाने के लिए 2019 में विश्व आदिवासी दिवस मनाने का ऐलान किया।

अमेरिका में 12 अक्टूबर को हर साल कोलंबस दिवस मनाया जाता है और वहां के आदिवासियों का मानना था कि कोलंबस उस उपनिवेशी शासन व्यवस्था का प्रतिनिधित्व करते हैं, जिसके लिए बड़े पैमाने पर जनसंहार हुआ था। इसके बाद फिर कोलंबस दिवस की जगह पर आदिवासी दिवस मनाने की मागं उठी। इसके लिए 1977 में जेनेवा में एक अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन का आयोजन किया गया और इस सम्मेलन में कोलंबस दिवस की जगह आदिवासी दिवस मनाने की मांग की गई।

भारत के मध्यप्रदेश, झारखंड, छत्तीसगढ़, बिहार आदि तमाम राज्यों में आदिवासी समुदाय के लोग बड़ी संख्या में रहते हैं। मध्यप्रदेश की बात कहें तो यहां 46 आदिवासी जनजातियां रहती हैं, जिसमें एमपी की कुल जनसंख्या के 21 फीसदी लोग आदिवासी समुदाय के हैं। वहीं झारखंड की कुल आबादी का करीब 28 फीसदी आदिवासी समाज के लोग हैं।

सिर्फ मध्यप्रदेश में गोंड, भील और ओरोन, कोरकू, सहरिया और बैगा जनजाति के लोग बड़ी संख्या में रहते हैं। बता दें कि गोंड एशिया का सबसे बड़ा आदिवासी समूह है, जिनकी संख्या 30 लाख से अधिक है। मध्यप्रदेश के अलावा गोंड जनजाति के लोग महाराष्ट्र, बिहार, छत्तीसगढ़, तेलंगाना, आंध्रप्रदेश और उत्तरप्रदेश में भी रहते हैं। वहीं में संथाल, बंजारा, बिहोर, चेरो, गोंड, हो, खोंड, लोहरा, माई पहरिया, मुंडा, ओरांव आदि आदिवासी समाज के लोग भारत के विभिन्न राज्यों में रहते हैं।

आबादी के लिहाज से मध्यप्रदेश को आदिवासी राज्य कहा जाए तो भी कोई अतिशयोक्तिच नहीं होगी। मध्यप्रदेश में देश की सबसे अधिक जनजातीय जनसंख्या है। देश की कुल आदिवासी आबादी का 14.70 प्रतिशत (वर्ष 2011 की जनगणना) यहां निवास करता है। देश की जनजातीय आबादी 10.4 करोड़ है और मध्यप्रदेश की 1.53 करोड़।

सामान्य तौर पर जनजातीय समुदाय जंगलों में निवास करते हैं, मगर अब स्थितियां बदल रही हैं। आदिवासी मैदानी इलाकों और शहरी क्षेत्र में भी बसने लगे हैं। अनुसू चित जनजातियों की सूची संशोधन (1976) में 46 समुदायों के तहत मध्यप्रदेश को अधिसूचित किया गया। वर्ष 2003 में जारी अधिसूचना में कीर, मीना और पारधी जनजातियों को विलोपित कर दिया गया। ऐसे में अब कुल 43 अनुसूचित जनजा ति समूह मध्यप्रदेश में अधिसूचित हैं।

मध्यप्रदेश में जनजातीय समुदाय को तीन क्षेत्रों से जाना जाता है— पहला मध्य क्षेत्र।

इसके तहत नर्मदापुरम, बैतूल, छिंदवाड़ा, सिवनी, बालाघाट, मंडला, डिंडौरी, रायसेन आदि जिले हैं। इनमें गौंड, बैगा, कोल, कोरकू परधान, भारिया और मुरिया निवास करते हैं। दूसरा पश्चिम क्षेत्र। झाबुआ, आलीराजपुर, धार, खरगोन, बड़वानी और रतलाम जिलों से यह क्षेत्र पहचाना जाता है। इसमें भील, भिलाला, परितबा, बारेला और तड़नी आदिवासी रहते हैं। तीसरा चंबल क्षेत्र। यहां श्योपुर, शिवपुरी, भिंड, मुरैना, गुना, दतिया, ग्वालियर आदि जिलों में सहरिया जनजाति का बसेरा है।

मध्यप्रदेश में आदिवासियों की आबादी पूरे देश में सबसे ज्यादा है। इसलिए सभी राजनीतिक पार्टियां चुनाव के मद्देनजर इस वर्ग की अहमियत समझती हैं। हालांकि, तमाम वादों और घोषणाओं के बावजूद इस वर्ग की हालत प्रदेश में अच्छी नहीं है और अकसर मध्यप्रदेश में इस वर्ग के लोगों के उत्पीड़न के मामले सामने आते रहते हैं। गौरतलब है कि मध्यप्रदेश में आदिवासी अपने चुनावी प्रभाव के कारण महत्वपूर्ण महत्व रखते हैं। 2011 की जनगणना के अनुसार, मध्यप्रदेश में आदिवासी आबादी लगभग 21.1 मिलियन थी, जो राज्य की कुल आबादी का लगभग 21.1त्न थी। मतलब मप्र में हर पांचवां व्यक्तिआदिवासी है। राज्य में अनुसूचित जनजातियों के लिए 47 आरक्षित सीटें हैं, बीजेपी सरकार द्वारा इस समुदाय का वोट पाने के लिए कोल महोत्सव जैसे प्रयास किए गए। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और गृह मंत्री अमित शाह सतना में शबरी महोत्सव जैसे कार्यक्रमों और त्योहारों के माध्यम से आदिवासी मतदाताओं के साथ सक्रिय रूप से जुड़ने की कोशिश की। पीएम मोदी की लगातार यात्राएं, विशेषकर आदिवासी क्षेत्रों में, उनको साधने को प्रदर्शित करती रहीं। हालांकि, एक तरफ सरकारें खुद को आदिवासियों की हितैषी बताती हैं, लेकिन यह भी सच है कि मध्यप्रदेश में आदिवासी समुदाय के बीच लगातार कई ऐसी घटनाएं हुई हैं, जिन्होंने इंसानियत को शर्मसार कर दिया है।

हाल के वर्षों में मध्यप्रदेश में आदिवासियों के खिलाफ अपराधों में चिंताजनक वृद्धि देखी गई है, जिससे यह देश में ऐसी घटनाओं की सबसे अधिक संख्या वाले राज्यों में से एक बन गया है। 2021 में, राज्य में एससी/एसटी अधिनियम के तहत 2,627 मामले दर्ज किए गए, जो पिछले वर्ष के 2,401 मामलों के आंकड़े से 9.38त्न अधिक हैं। इसके अलावा, इस अवधि के दौरान दलितों के खिलाफ अत्याचार की कुल 7,214 घटनाएं दर्ज की गईं। सवाल उठता है कि क्या आदिवासी समाज सरकार के लिए सिर्फ वोट बैंक है।

सीधी जिले का पेशाब कांड पूरे देश में चर्चा में रहा था। मप्र की इस घटना ने पूरे देश में मानवता को शर्मसार किया था और इसलिए यहां तक कि राज्य के तत्कालीन मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान को खुद पीड़ित पक्ष से माफी मांगनी पड़ी थी।

नेमावर में एक दुखद घटना सामने आई थी, जहां एक आदिवासी परिवार के पांच सदस्यों की बेरहमी से हत्या कर दी गई थी। नीमच में कन्हैया लाल भील नाम के एक आदिवासी युवक को बेरहमी से पीटा गया और एक अन्य घटना में भगोरिया मेले के दौरान एक आदिवासी लड़की के साथ खुलेआम छेड़छाड़ की गई। ये उदाहरण और घटनाएं सरकारों और राजनीतिक दलों द्वारा आदिवासी समुदायों की सुरक्षा और भलाई करने के दावे की पोल खोलते हैं और कहा जा सकता है कि ऐसे अपराधों को रोकने के लिए प्रभावी उपाय किए जाने चाहिए, पीड़ितों के लिए न्याय सुनिश्चित करना चाहिए और एक ऐसे समाज को बढ़ावा देना चाहिए जहां हर व्यक्ति के साथ सम्मान मिले।

पाकिस्तान में भी आसार अच्छे नहीं हैं तख्तापलट का दंश झेल चुका है देश, पीएम शहबाज को मिल रहीं धमकियां

जुलाई, 2022 की एक बेहद दिलचस्प तस्वीर है, जिसमें श्रीलंका के प्रदर्शनकारी वहां के तत्कालीन राष्ट्रपति गोटाबाया राजपक्षे के देश छोड़कर भाग जाने के बाद कोलंबो स्थित राष्ट्रपति निवास के स्वीमिंग पूल में तैरते हुए दिखाई दे रहे हैं। प्रदर्शनकारियों ने बाद में राष्ट्रपति भवन को लूटने के बाद उसमें आग भी लगा दी थी। इस हफ्ते दुनिया ने देखा कि किस तरह बांग्लादेशी छात्रों ने अन्य प्रदर्शनकारियों के साथ मिलकर तत्कालीन प्रधानमंत्री शेख हसीना के आधिकारिक आवास पर धावा बोल दिया और वहां काफी लूटपाट की। हालांकि तब तक वह मुल्क छोड़कर भारत भाग चुकी थीं। तस्वीरों में प्रदर्शनकारी उनके बिस्तर पर भी दिखाई दे रहे हैं, जबकि कुछ अन्य लोग रसोईघर में घुसकर जो भी मिला, उसे खाते दिखे।

क्या दक्षिण एशिया के इस क्षेत्र में तीसरी बार भी ऐसी घटना होगी? क्या अगला नंबर पाकिस्तान का है? यह सवाल पूर्व मंत्री और सांसद सैयद मुशाहिद हुसैन ने पूछा, जो पीएमएल (एन) के सदस्य हैं और कई दशक पहले ढाका में रह चुके हैं। मुशाहिद हुसैन यह सवाल इसलिए पूछ रहे हैं, क्योंकि इस समय पाकिस्तान में भी कई आंदोलन चल रहे हैं। पिछले एक हफ्ते से ज्यादा समय से रावलपिंडी शहर के मुख्य केंद्र मुर्री रोड पर सड़क को बंद करके जमात-ए इस्लामी का धरना चल रहा है, जहां हजारों लोग बैठे हैं और मांग कर रहे हैं कि शहबाज शरीफ सरकार बेरोजगारी, मुद्रास्फीति का तत्काल समाधान करे और विशेष रूप से नागरिकों के बिजली बिलों में वृद्धि को कम करे। विरोध प्रदर्शन का नेतृत्व कर रहे जमात-ए इस्लामी के नवनिर्वाचित प्रमुख हाफिज नईमुर्रहमान ने शहबाज शरीफ को चेतावनी दी कि यदि वह उनकी पार्टी की मांगें नहीं मानेंगे, तो उनका हश्र शेख हसीना से भी बुरा होगा, क्योंकि उन्हें मुल्क छोड़ने की इजाजत भी नहीं दी जाएगी। इस बीच बलूचिस्तान के एकमात्र बंदरगाह शहर ग्वादर सहित कई अन्य शहरों में पिछले दो हफ्ते से धरना-प्रदर्शन जारी है। रावलपिंडी के विरोध प्रदर्शन के विपरीत बलूचिस्तान में प्रदर्शनकारियों और सुरक्षा बलों के बीच झड़पें भी देखी गई हैं, जहां गोलीबारी में कई लोग मारे गए, दर्जनों घायल हुए और कई लोगों को सरकारी एजेंसियों द्वारा उठा लिया गया। इन विरोध प्रदर्शनों का नेतृत्व एक युवा बलोच महिला डॉ. महरंग बलोच कर रही हैं, जो मानवाधिकार कार्यकर्ता हैं। उन्होंने उस पुरानी बलोच परंपरा को तोड़ा है, जिसमें महिलाओं को घरों तक ही सीमित रखा जाता था। वह अब नागरिक अधिकारों की मांग करने वाले हजारों पुरुष एवं महिलाओं का नेतृत्व कर रही हैं। हजारों बलोच नागरिक मांग कर रहे हैं कि पुरुषों को लगातार सरकारी एजेंसियों द्वारा उठाकर गायब किया जाना हमेशा के लिए बंद हो। गौरतलब है कि उठाकर गायब किए जाने वाले लोगों में ज्यादातर युवा हैं। वे यह भी मांग कर रहे हैं कि सभी चेकपोस्ट हटा लिए जाएं, ताकि लोग आसानी से आ-जा सकें। इसके अलावा बलोच प्रदर्शनकारियों की सबसे महत्वपूर्ण मांग है कि बलूचिस्तान के प्राकृतिक संसाधन उन्हें उपलब्ध कराए जाएं, न कि दूसरे प्रांतों को भेजे या निर्यात किए जाएं। इस बीच उत्तरी इलाकों में भी लोग कई दिनों से प्रदर्शन कर रहे हैं और उन्होंने काराकोरम हाईवे को जाम कर दिया है, जो खुंजराब दर्रे के माध्यम से पाकिस्तान को चीन से जोड़ रहा है। वे संघीय राजस्व बोर्ड और पाकिस्तान सीमा शुल्क के खिलाफ आंदोलन कर रहे हैं, जिन्होंने हाल ही में व्यापारियों पर कर लगाया है। पाकिस्तान से चीन जाने के इच्छुक कई विदेशी भी यहां फंस गए हैं और उन्हें प्रदर्शनकारियों के साथ बैठे देखा जा सकता है।

असली विकास प्रकृति की सुरक्षा एवं संरक्षण से ही... वायनाड त्रासदी का यही सबक

वायनाड और फिर कुल्लू-मनाली में जो आपदा बरसी, उसने 'विकास या विनाश' का मुद्दा फिर छेड़ दिया है। कोई भी आपदा अचानक, अकेले नहीं आती है। उससे पहले समाज और सत्ता में भी अच्छे विचार और सच्चे काम की कमी आती है। आपदा प्राकृतिक हो या मानवीय-हर आपदा का एक इकोलॉजिकल या जीव पारिस्थितिकी-तंत्र होता है, जो कुछ लोगों के निजी स्वार्थ के कारण बहुतों को नुकसान पहुंचा जाता है।

इसलिए कश्मीर से कन्याकुमारी तक, मणिपुर से लेकर मुंबई तक, जो भी जलवायु संबंधी आपदा घट रही है, उनके पीछे मानवीय स्वार्थ जिम्मेदार होता है। प्रकृति तो सदा परिवर्तनशील ही रही है, मगर आपदाग्रस्त नहीं। आखिर हर मानसून में बढ़ती जा रही इन भयावह त्रासदियों से हम कोई सीख क्यों नहीं लेते।

आज का विकास मॉडल प्रकृति के विनाश पर आधारित है। महंगाई और बेरोजगारी के बीच आलीशान इमारतें, सुपर हाईवे, पर्यटन कॉरिडोर व छह-लेन चौड़ी सड़कें उनसे जरूरी कैसे हो सकती हैं? विकास का जो मॉडल पिछले कुछ दशकों से देश में चलाया जा रहा है, उसे समाज और सत्ता के पैमाने पर देखना होगा। समाज के मन में यह घर कर गया है कि असल विकास तो विदेश का ही है और हमें देश में विदेश जैसा विकास चाहिए। यानी भारत को भौतिक तौर पर अमेरिका या इंग्लैंड ही बनाना है।

यह वैसा ही है, जैसा 1909 में महात्मा गांधी ने हिंद स्वराज्य में दर्शाने की कोशिश की थी। यानी हमें बाघ का स्वभाव (निरंकुशता) तो चाहिए, लेकिन बाघ (अंग्रेज) नहीं चाहिए। मगर बाघ का स्वभाव तो बाघ के साथ ही आएगा। प्रकृति में सभी की जरूरत के लिए पर्याप्त संसाधन हैं, लेकिन एक की भी लालसा के सामने वह कम ही रहने वाला है।

सिर्फ मुनाफे के लिए ही उद्योगपति विकास मॉडल के हिस्सेदार बनते हैं। इसलिए सड़कें बनानी हों या इमारतें, या कोई अन्य उद्योग लगाने हों, उस जमीन पर जीने-बसने वालों को अनावश्यक मान लिया जाता है। वायनाड, कुल्लू-मनाली या अन्य पहाड़ी इलाकों में सत्ता व उद्योगपतियों की सांठगांठ ने सिर्फ मुनाफे का ही विकास दर्शाया। विकास के नाम पर पेड़ तो खूब काटे जाते हैं, मगर उतने पेड़ लगाए नहीं जाते। बादल फटने या तेज बारिश होने से भुरभुरी मिट्टी भूस्खलन ही लाती है। या नदी का जल बिना ठहरे तेजी से बहता है, तो रास्ते से सब कुछ बहा ले जाता है। नतीजतन आपदा आती है। समाज को विकास के लिए विवेक से काम लेना होगा।

ऐसी ही सांठगांठ दिल्ली के राजेंद्र नगर के कोचिंग सेंटर हादसे में भी दिखी। रिहायशी इलाकों में कोचिंग सेंटर चलाने की मंशा भी मुनाफे की ही रही है। बस उनमें पढ़ने वाले प्रतिभाशाली बच्चे दूसरे राज्यों से आए थे। वर्ष 1935-36 में गांधी जी ने तय किया कि देश के बीचों-बीच सेवा कार्य करने-सीखने का गांव बने। सेवाग्राम आश्रम उद्योगपति जमनालाल बजाज को बनाना था। गांधी जी ने बजाज से शर्त रखी कि आश्रम बनाने के लिए जो भी जरूरत होगी, वह उसके सिर्फ पांच किलोमीटर के दायरे से ही ली जाए। इसके उन्होंने तीन कारण बताए-आसपास के लोगों को रोजगार मिलेगा, आत्मनिर्भरता बढ़ेगी और समरसता पैदा होगी। सभ्य समाज में सबका विकास ऐसी ही समरस अर्थव्यवस्था से होना चाहिए।

वायनाड, कुल्लू-मनाली और पहाड़ों में रहने-बसने वालों के लिए विकास का जो मॉडल अपनाया गया, उसमें पेड़ों की अंधाधुंध कटाई और जलवायु प्रदूषण होता है। विकास के नाम पर साठ प्रतिशत जंगल काट दिए गए हैं। पर्यटकों के लिए पेड़-पहाड़ काट कर सड़कें बनाना वहां रहने-बसने वालों के लिए रोजगार का बहाना भर है। ऐसे ही रोजगार का विकास कभी दिल्ली आकर कुसुमपुर पहाड़ी पर या मुंबई के धारावी के स्लमों में बसे लोगों ने भी देखा था। आज वे न घर के हैं, न घाट के।

दिल्ली के जमनापार में एक उच्च मध्यवर्गीय कालोनी निर्माण विहार है। उसमें कभी बारिश के पानी को सहेजने के लिए अलग से खुली नालियां बनाई गई थीं। फिर विकास के नाम पर उन नालियों को ढक दिया गया, अब उन नालियों पर कारें खड़ी होती हैं। ढक देने से नालियों की सफाई नहीं होती और जल निकासी भी अवरुद्ध हो गई है। नतीजतन हर बारिश में कालोनी बाढ़ ग्रस्त होती है।

जन और जनसेवक अगर ईमानदारी से स्थानीय विकास पर जोर देते, देश कब का विकसित राष्ट्र बन जाता। समाज को ही एकजुट होकर संपोषणीय विकास (सस्टेनेबल डेवलपमेंट) के लिए आगे आना होगा, क्योंकि पारिस्थितिकी की समझ तो वहां जीने-बसने वालों से ही बनती है। असली विकास प्रकृति की सुरक्षा एवं संरक्षण से ही हो सकता है।

विज्ञान और प्रौद्योगिकी मंत्रालय भारत सरकार द्वारा विद्यार्थियों के शुरू की गई अनूठी पहल

इंस्पायर अवार्ड योजना के तहत विद्यार्थी रख सकेंगे अपने अभिनव विचार

सहारनपुर। जिलाधिकारी मनीष बंसल ने अवगत कराया कि विज्ञान और प्रौद्योगिकी मंत्रालय भारत सरकार द्वारा विद्यार्थियों के लिए शुरू की इंस्पायर मानक योजना 2024-25 के अंतर्गत परिषदीय और माध्यमिक स्कूलों में अध्यनरत विद्यार्थी अपने अभिनव विचार रख सकेंगे। उन्हें प्रोत्साहित करने के उद्देश्य से इंस्पायर अवार्ड मानक योजना में अनूठी पहल की गई है। विज्ञान में रुचि रखने वाले विद्यार्थी 15 सितंबर तक आवेदन कर सकते हैं। विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विभाग द्वारा इंस्पायर अवार्ड मानक योजना के तहत आनलाइन आवेदन मांगे गए हैं।योजना में जिला स्तर पर मान्यता प्राप्त संस्थाओं के प्रधानाध्यापकों द्वारा बेसिक स्तर पर कक्षा छह से आठ तथा माध्यमिक स्तर पर प्रधानाचार्यों द्वारा कक्षा नौ व 10 के लिए विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विभाग के वेब पोर्टल पर छात्र-छात्राओं के आनलाइन आवेदन करा सकेंगे। कक्षा छह से 10 तक के वे छात्र छात्राएं शामिल हो सकेंगे, जिनकी विज्ञान में रुचि है और विज्ञान संबंधी शोध में उच्च अध्ययन करना चाहते हैं। उनको प्रोत्साहन के लिए 10 हजार रुपये विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विभाग द्वारा बैंक खाते में आनलाइन भेजे जाएंगे। जिन छात्र- छात्राओं को अवार्ड की राशि मिलेगी, वे विज्ञान के प्रोजेक्ट माडल बनाएंगे, जिनका प्रदर्शन जिला स्तरीय इंस्पायर अवार्ड विज्ञान प्रदर्शनी में किया जाएगा। प्रदर्शनी में शामिल प्रतिभागियों में से पांच से 10 प्रतिशत प्रतिभागियों का चयन राज्य स्तरीय इंस्पायर अवार्ड विज्ञान प्रदर्शनी के लिए होगा। राज्य स्तरीय प्रदर्शनी में शामिल प्रतिभागियों में से 10 प्रतिशत का चयन राष्ट्रीय विज्ञान प्रदर्शनी के लिए किया जाएगा।

दुकानों और मकानों के टैक्स में वृद्धि के नए शासनादेश का देवबंद में सभासदों ने किया विरोध

सभासदों ने मुख्यमंत्री को ज्ञापन भेजकर करों में की गई वृद्धि को वापस लेने की मांग की

गौरव सिंघल। सिटी चीफ । सहारनपुर। देवबंद, दुकानों और मकानों के टैक्स में वृद्धि के नए शासनादेश का देवबंद में सभासदों ने विरोध किया है। सभासदों ने मुख्यमंत्री को ज्ञापन भेजकर करों में की गई वृद्धि को वापस लेने की मांग की है। सभासदों का प्रतिनिधिमंडल उपजिलाधिकारी कार्यालय पहुंचा। जहां उन्होंने एसडीएम की गैरमौजूदगी में उनके स्टेनो को ज्ञापन सौंपा। मुख्यमंत्री को संबोधित ज्ञापन में सभासदों ने कहा कि प्रदेश सरकार ने नगर पालिकाओं और नगर पंचायतों में मकान व दुकान के बारे में कर निर्धारण-24 जारी किया है। इस नए शासनादेश में कर की दरों को पहले के मुकाबले कई गुणा बढ़ा दिया गया है। इसे अदा करने में अधिकांश आमजन असमर्थ रहेंगे। इसलिए टैक्स में की गई अत्याधिक बढ़ोतरी को जनहित में वापस लिया जाए। ज्ञापन में सरकार से शासनादेश पर पुनर्विचार करने की मांग की गई है। इस मौके पर सभासद शाहिद हसन, मोहम्मद औसाफ सिद्दीकी, वाजिद मलिक, वसीम मलिक, आरिफ सिद्दीकी, मोहम्मद आसिफ लियाकत समेत अन्य सभासद मौजूद रहे।

देवबंद नगरपालिका परिषद ने हर घर तिरंगा अभियान की तैयारियां की शुरू

पालिका प्रशासन को दिया गया है 29 हजार ध्वज लगाने का लक्ष्य

सहारनपुर । देवबंद, नगरपालिका परिषद देवबंद ने हर घर तिरंगा अभियान की तैयारियां शुरू कर दी है। पालिका प्रशासन को 29 हजार ध्वज लगाने का लक्ष्य दिया गया है। पालिका प्रशासन ने सभासदों को पत्र लिखकर अभियान को सफल बनाने के लिए उनका सहयोग मांगा है। देवबंद नगरपालिका परिषद के ईओ डा. धीरेंद्र कुमार राय ने बताया कि शासन के आदेशों के अनुपालन में आजादी का अमृत महोत्सव के तहत यह आयोजन किया जा रहा है। अभियान 13 से 15 अगस्त तक चलेगा। कार्यक्रम का मुख्य उद्देश्य प्रत्येक नागरिक के मन में राष्ट्र प्रेम की भावना को जागृत करते स्वतंत्रता के प्रतीकों के प्रति सम्मान का भाव उजागर करना है। नगरपालिका देवबंद को 29 हजार पांच ध्वजों का लक्ष्य दिया गया है। इस अभियान में समस्त सरकारी भवनों पर तिरंगा लाइटिंग कराने के साथ ही शिक्षण संस्थानों में कार्यक्रम का आयोजन किया जाएगा। सेल्फी, रील्स, वीडियो, झंडे के साथ फोटो अथवा देशभक्ति गीत आदि के साथ अभियान से जुडने को प्रेरित किया जाएगा। उन्होंने बताया कि इस संबंध में सभासदों को पत्र लिखकर अभियान से अवगत करा दिया गया है। सभासदों को पत्र लिखकर अभियान को सफल बनाने के लिए उनका सहयोग मांगा गया है।

परिवहन विभाग ने किया 02 वाहनों को जब्त

6 हजार रुपये शमन शुल्क वसूला

भगवान दास बैरागी। सिटी चीफ । शाजापुर, परिवहन विभाग द्वारा अकोदिया क्षेत्र में स्कूली वाहनों, यात्री वाहनों, मैजिक, ऑटो रिक्शा आदि की चेकिंग कर कार्रवाई की गई। जिला परिवहन अधिकारी ने बताया कि गुरुवार को चैकिंग के दौरान वाहनों के परमिट, फिटनेस, बीमा, फायर फायटर, फर्स्ट एड बॉक्स आदि चैक किए गए। साथ ही स्कूल वाहन संचालकों को निर्देशित किया कि बिना वैध दस्तावेज के वाहनों का संचालन नहीं करें। इस दौरान 2 वाहनों को जब्त किया जाकर पुलिस थाना की अभिरक्षा में रखा गया। साथ ही नियम विरूद्ध संचालित वाहनों से 6 हजार रुपये शमन शुल्क राशि वसूल किया गया। जिला परिवहन अधिकारी ने बताया कि वाहन चेकिंग की कार्रवाई आगामी दिनों में निरंतर जारी रहेगी।

थीतकी बीडीसी उपचुनाव में अरशी नाज ने की जीत दर्ज

6

सहारनपुर। देवबंद, देवबंद ब्लाक के थीतकी गांव के वार्ड संख्या 99 की बीडीसी शबनम पत्नी फहीम के निधन के बाद रिक्त हुए क्षेत्र पंचायत सदस्य पद पर कराए गए उपचुनाव का आज वोटों की गिनती करके परिणाम घोषित किया गया। जिसमें अरशी नाज ने जीत हासिल की। चुनाव अधिकारी द्वारा उन्हें जीत का प्रमाण पत्र सौंपा। बता दे कि वार्ड 99 पर हुए उपचुनाव में वर्तमान क्षेत्र पंचायत सदस्य अब्बास की पत्नी खुशनुदा और मुनव्वर की पत्नी अरशी नाज चुनावी मैदान में थी। थीतकी गांव के प्राथमिक विद्यालय में चार मतदेय स्थलों पर 37 प्रतिशत मतदाताओं ने अपने वोट डाले। आज ब्लॉक कार्यालय में वोटो की गिनती की गई। जिसमें अरशी नाज ने 475 मत प्राप्त करके जीत हासिल की जबकि खुशनुदा को 147 वोट हासिल हुए, 45 कैंसिल हुए हैं। एडीओ पंचायत अनिल कुमार ने बताया कि वार्ड 99 पर 1768 मतदाताओं में से 667 ने मतदान किया है। मतपत्रों की गिनती में अर्शी नाज़ को 475 और खुशनूदा को 147 वोट मिले जबकि 45 वोट कैंसिल हुए। उन्होंने बताया कि लखनौती वार्ड 63 में क्षेत्र पंचायत पद पर करण सिंह निर्विरोध निर्वाचित हुए है। क्योंकि 24 जुलाई को नामांकन पत्रों की जांच के दौरान किसी अन्य प्रत्याशी द्वारा पर्चा नहीं भरा पाया गया था। इस वजह से करण सिंह निर्विरोध निर्वाचित घोषित हुए है। वोटो की गिनती के दौरान प्रशासन मुस्तैद रहा। एसडीएम देवबंद अंकुर वर्मा, सीओ देवबंद अशोक सिसोदिया और देवबंद कोतवाली प्रभारी संजीव कुमार सुरक्षा व्यवस्था की कमान संभाले रहे।

स्वतंत्रता दिवस परेड को लेकर पुलिस अधीक्षक कार्यालय में बैठक संपन्न

परेड में पुलिस दल के साथ एनसीसी, स्काउट गाईड एवं शौर्यदल के प्लाटून रहेंगे सम्मिलित

निवास मिश्रा। सिटी चीफ। मैहर, आज दिनांक 08/08/24 को पुलिस अधीक्षक कार्यालय मैहर में पुलिस अधीक्षक श्री सुधीर कुमार अग्रवाल द्वारा स्वतंत्रता दिवस परेड में शामिल होने वाले प्लाटून शौर्यदल, एनसीसी एवं स्काउट गाईड के प्रशिक्षकों / को ड्रू ऑर्डिनेटर की मीटिंग ली गई।मीटिंग में अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक मैहर श्री मुकेश वैश्य, सूबेदार नृपेन्द्र सिंह, महिला बाल विकास विभाग से श्रीमती समीना परवीन, श्रीमति भावना शर्मा, महाकाल स्कूल से श्रीमती अंजुम आरा, सीएम राईज स्कूल मैहर से एनसीसी ऑफीसर श्री अर्जुन तिवारी एवं दीपेन्द्र मिश्रा, सरस्वती उ.मा.विद्यालय मैहर से श्री अनिरूध्द चर्तुवेदी एवं अनुरोध खरे सम्मिलित हुए। मैहर जिले के गठन उपरांत जिले में स्वतंत्रता दिवस परेड का प्रथम अवसर है जिसमें पुलिस दल के साथ एनसीसी, स्काउट गाईड एवं शौर्यदल के प्लाटून सम्मिलित रहेंगे। परेड में भाग लेने प्लाटून को परेड की कार्यवाही से अवगत कराया जाकर उनकी रिहर्सल कराई जाएगी। ताकि परेड मे एकरूपता, अनुशासन एवं लयबद्धता बनी रहे । अच्छा प्रदर्शन करने वाले प्लाटून को पुरूष्कृत किया जायेगा।

मैहर हाइवे मार्ग में हुआ हादसा

पूर्व सरपंच की दर्दनाक मौत

श्री निवास मिश्रा। सिटी चीफ। मैहर, मैहर जिले के पोंडी गांव स्थित राम मंदिर के समीप हाइवे मार्ग का बताया जा रहा है। क्षेत्रीय लोगों से घटनास्थल की जानकारी लेने पर बताया गया कि यह दर्दनाक घटना कल रात्रि 9:30 बजे के लगभग तेज बारिश के समय दो पहिया वाहन से मृतक कटनी की ओर जा रहा था देखने से ऐसा प्रतीत हुआ कि यह किसी बड़े वाहन से टकराने पर घटना घटित हुई। जिसे क्षेत्रीय लोगों ने पहचान कर ग्राम मतवारा के पूर्व सरपंच दधिबल पटेल उम्र 45 वर्ष लगभग बताकर तत्काल में एम्बुलेंस को बुलाकर मैहर अस्पताल में ले जाकर एडमिट कराया जिसका इलाज के दौरान मृत घोषित किया गया। मृतक दधिबल पटेल ने अपने सरपंच कार्यकाल से अभी तक मैहर जिले में एक समाज सेवक के रूप में कार्य किया। पूर्व सरपंच के मृतक शरीर का अंतिम संस्कार उनके पैतृक गांव मतवारा में ही किया गया। अंतिम संस्कार में गांव के साथ क्षेत्रीय लोग पहुंच कर आत्मा की शांति के लिए गहरा शोक व्यक्त किया।

जोबट मे कांग्रेस विधायक सेना महेश पटेल ने लगाया जनता दरबार

ग्रामीण क्षेत्र के लोगो की समस्याओ को सूना ओर किया तत्काल उसका निराकरण

रिज़वान शेख | सिटी चीफ | **आलीराजपुर**, अलीराजपुर जिले की जोबट विधानसभा क्षेत्र की कांग्रेस विधायक सेना महेश पटेल ने आज गुरूवार को विधायक कार्यालय पर जनता दरबार लगाया जहा उन्होने ग्रामीण क्षेत्र से आए कार्यकर्ताओ ओर लोगो की समस्याओ को सूना ओर उसका निराकरण किया विधायक सेना पटेल ने कहा के मेरी विधानसभा क्षेत्र के लोगो की जो भी समस्या हो उसको विधायक कार्यालय पर आकर मूझे या मेरे किसी भी कार्यकर्ता को उस समस्या से अवगत कराये तत्काल उसका निराकरण किया जाएगा आज जोबट ब्लाक के कई ग्रामीण लोग बिजली पानी ओर अन्य समस्याओ को लेकर विधायक के पास पहूचे थे वही खटटाली ग्राम के क ई ग्रामीण जो कोल ब्लाक के लिए जो जमीन अधिग्रहण की है कोल इंडिया कम्पनी के द्वारा उसे निरस्त कराने की मांग को लेकर भी क ई सरपंच ओर ग्रामीण विधायक के पास पहूचे थे विधायक ने कहा के वो विधानसभा मे इस मामले को उठाएंगी ओर प्रदेश की मूख्यमंत्री मोहन यादव को भी इस बात से अवगत करायेगी की आदिवासीयो की जमीन का अधिग्रहण नही किया जाए इस दोरान कांग्रेस के डाक्टर आराम पटेल विधायक प्रतिनिधि मोनू बाबा सूनील खेडे जीतू अजनार सोनू वर्मा रफीक भाई सहीत अन्य कांग्रेस कार्यकर्ता मौजूद थे

50 लोगो का जत्था काशी विश्वनाथ ज्योतिर्लिंग अयोध्या धाम की यात्रा के लिए रवाना

रिज़वान शेख। सिटी चीफ। आलीराजपूर, स्थानिय पचेश्वर महादेव मन्दीर से आज पचेश्वर रामायण मंडल के शिव भक्त हर वर्ष की तरह ऐक ज्योतिर्लिंग के दर्शन के लिए पहूचते है, इस वर्ष उत्तर पृदेश वाराणासी के बाबा काशी विश्वनाथ ज्योतिर्लिंग व श्रीराम जन्मभुमी अयोध्या धाम दर्शन हेतू 50 लोगो का जत्था 8 दिन की धार्मिक यात्रा कर लौटेगा, इस दोरान केबिनेट मंत्री नागर सिंह चौहान के दृवारा यात्रियों का स्वागत कर बस को रवाना किया, जत्थे को रवाना करने के लिये बालकुष्ण गूप्ता, कृष्णकात गूप्ता, पोरवाड समाज अध्यक्ष बद्री सर, सामाजिक कार्यकृता डा, गूप्ता सहित बडी सख्या मे यात्रियों के परिवारजन महिला पुरुष पहुंचे।

मातृ-शिशु स्वास्थ्य केंद्र में शुरू हुई ओपीडी

स्वास्थ्य सेवाएं को लेकर नर्सिंग स्टॉफ एवं डॉक्टरों के साथ सिविल सर्जन जोशी ने की बैठक

भगवान दास बैरागी | सिटी चीफ | शाजापुर, जिला अस्पताल परिसर में नव निर्मित मातृ-शिशु स्वास्थ्य केंद्र में ओपीडी की शुरूआत कर दी गई है। सिविल सर्जन डॉ एमके जोशी ने बताया कि गतदिनों मुख्यमंत्री डॉ मोहन यादव ने मातृ-शिशु स्वास्थ्य केंद्र का लोकार्पण किया था। लोकार्पण के बाद गुरुवार को स्वास्थ्य केंद्र में महिलाओं और बच्चों के लिए परामर्श हेतु ओपीडी शुरू की गई। इसके बाद प्रसव, ऑपरेशन, आईसीयू सहित अन्य सुविधाएं शुरू कर दी जाएंगी। पहले दिन ओपीडी में बड़ी संख्या में महिलाओं ने स्वास्थ्य केंद्र पहुंचकर स्वास्थ्य परीक्षण कराया। इस दौरान स्वास्थ्य केंद्र में सुचारू रूप से स्वास्थ्य सेवाएं संचालित किए जाने को लेकर नर्सिंग स्टॉफ एवं डॉक्टरों के साथ सिविल सर्जन जोशी ने बैठक की और आवश्यक दिशा-निर्देश दिए।

पीएम श्री केंद्रीय विद्यालय प्रबंधन समिति की बैठक संपन्न

कलेक्टर ने दिए आवश्यक निर्देश

भगवान दास बैरागी | सिटी चीफ | शाजापुर, कलेक्टर एवं केन्द्रीय विद्यालय प्रबंधन समिति अध्यक्ष ऋजु बाफना की अध्यक्षता में गुरुवार को पीएम श्री केंद्रीय विद्यालय प्रबंधन समिति की बैठक संपन्न हुई। बैठक में सर्वप्रथम पिछली बैठक की कार्रवाई पर चर्चा हुई। इसके उपरांत बैठक में विद्यालय के सत्र 2023-24 के बोर्ड कक्षाओं के परीक्षा परिणाम, विद्यालय में पानी की समस्या, विद्यालय परिसर के समतलीकरण, विद्यालय भवन के लिए अग्नि सुरक्षा प्रमाण पत्र, विद्यालय में पीएम श्री योजना के अंतर्गत प्रस्तावित वोकेशनल लेब के निर्माण, जूडो कोच की नियुक्ति, विद्यार्थियों के स्वास्थ्य परीक्षण, विद्यालय भवन की रंगाई-पुताई, विद्यालय की रसायन शास्त्र प्रयोगशाला में गैस पाईपलाईन लगाने, विद्यालय के लिए आवश्यक फर्नीचर की खरीदी, विद्यालय के सीसी, हाल के लिए एसी एवं पेयजल के लिए वॉटर कूलर खरीदने के साथ ही विद्यालय प्रबंधन समिति अध्यक्ष की अनुमति से विद्यालय विकास से संबंधित अन्य विषयों पर चर्चा की गई। कलेक्टर ने चर्चा के समस्त बिंदुओं पर सभी समिति सदस्यों के मत से अपनी सहमति प्रदान की। इसके पूर्व विद्यार्थियों द्वारा तिलक लगाकर और विद्यालय प्राचार्य डॉ संध्या एस तरफदार द्वारा हरित पुष्पगुच्छ से कलेक्टर एवं सभी समिति सदस्यों का स्वागत किया गया। इस दौरान विद्यालय की छात्राओं में कक्षा 8वीं की नव्या एवं कक्षा 9वीं की सरिता द्वारा निर्मित कलाकृति कलेक्टर को भेंट की गई। बैठक में विद्यालय प्रबंधन समिति सदस्यों के रूप में अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक टीएस बघेल, जिला शिक्षा प्रशिक्षण संस्थान प्राचार्य दिलीप देशमुख, कौटिल्य एजुकेशन एकेडमी प्राचार्य नरेंद्रकुमार डोडिया, जिला चिकित्सालय नेत्र रोग विशेषज्ञ डॉ मनोज पंचोली, पूर्व प्राचार्य संतोष शर्मा, यूनियन बैंक ऑफ इंडिया प्रबंधक पंकज यादव, अभिभावक सदस्य मधुलिका गिरी आदि उपस्थित थे।

महिलाओं को दिया मशरूम उत्पादन का प्रशिक्षण

महिलाओं को आत्मनिर्भर बनाने के लिए पांच दिवसीय मशरूम उत्पादन प्रशिक्षण का आयोजन

भगवान दास बैरागी। सिटी चीफ । शाजापुर, महिलाओं को आत्मनिर्भर बनाने के उद्देश्य से गिरवर स्थित कृषि विज्ञान केंद्र पर पांच दिवसीय मशरूम उत्पादन प्रशिक्षण का आयोजन किया जा रहा है। प्रशिक्षण में 25 महिलाएं शामिल हैं जिन्हे मशरूम उत्पादन की विधि से कृषि वैज्ञानिक जीआर अंबावतिया और गायत्री वर्मा द्वारा अवगत कराया जा रहा है। प्रशिक्षण के दौरान गुरुवार को महिलाओं को भूंसे में मशरूम के बीज लगाने की प्रक्रिया सिखाई गई।

जिला मजिस्ट्रेट श्री कोचर ने एक अपराधी पर की जिला बदर की कार्यवाही

धीरज कुमार अहीरवाल । सिटी चीफ ।

दमोह, जिला मजिस्ट्रेट सुधीर कुमार कोचर ने आपराधिक गतिविधियों पर तत्काल प्रभाव से नियंत्रण करने के उद्देश्य से पुलिस अधीक्षक श्रुतकीर्ति सोमवंशी के प्रतिवेदन पर म.प्र. राज्य सुरक्षा अधिनियम के तहत एक अपराधी पर जिला बदर की कार्यवाही की है। जिला मजिस्ट्रेट द्वारा जारी आदेशानुसार अनावेदक रोहित पिता हरगोविन्द बारोलिया उम्र 24 वर्ष निवासी ग्राम सीतानगर थाना दमोह देहात को दमोह जिले की भौगोलिक सीमाओं तथा आसपास के जिला सागर, नरसिंहपुर, जबलपुर, कटनी, पन्ना, छतरपुर से आगामी 03 माह अर्थात 90 दिवस की कालावधि के लिये निष्कासित (जिला बदर) कर दिया है तथा आदेशित किया है कि अनावेदक आदेश की प्राप्ति से 24 घंटे के अंदर दमोह जिले की सीमाओं से बाहर चले जायें एवं अपने आचरण में सुधार करें।जिला बदर की अवधि में अनावेदक को केवल उनके विरूद्ध चल रहे न्यायालयीन प्रकरणों में पेशी दिनांक को उपस्थिति हेतु छूट रहेगी, परंतु इसके पूर्व अनावेदक को संबंधित थाना प्रभारी को लिखित में सूचना देनी होगी तथा न्यायालय में पेशी होने के तुरंत पश्चात वह इस आदेश का पालन सुनिश्चित करेगा। इस आदेश का उल्लंघन करने पर अनावेदक के विरूद्ध म.प्र. राज्य सुरक्षा अधिनियम 1990 की धारा 14 के तहत कार्यवाही की जायेगी। यह आदेश जिला मजिस्ट्रेट के हस्ताक्षर एवं न्यायालय मुद्रा से जारी किया गया है।

मिट्टी में कौन-कौन से तत्वों की कमी है, उसके बारे में किसानों को मृदा स्वास्थ्य कार्ड में बताने का काम किया जायेगा-राज्यमंत्री धर्मेंद्र लोधी

संपूर्णता अभियान के तहत कृषकों को मृदा स्वास्थ्य कार्ड किये वितरित

धीरज कुमार अहीरवाल । सिटी चीफ ।

दमोह, नीति आयोग द्वारा जिला एवं आकांक्षी विकास खंड जबेरा अंतर्गत ग्राम नोहटा में कृषि विभाग संपूर्णता अभियान के तहत प्रदेश के संस्कृति, पर्यटन, धार्मिक न्यास एवं धर्मस्व राज्यमंत्री (स्वतंत्र प्रभार) धर्मेंद्र सिंह लोधी ने कृषकों को मृदा स्वास्थ्य कार्ड वितरित किए । राज्यमंत्री ने कहा किसान समृद्ध हो, आधुनिक रूप से खेती करे, किसान को मालूम होना चाहिये कि अपने खेत में कौन सी फसल बोएंगे तो और अच्छे परिणाम प्राप्त होंगे। इसके लिए देश के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने पहल शुरू की है, कृषि विभाग किसान के खेत की मिट्टी लेकर उस मिट्टी का परीक्षण करेंगे और उस मिट्टी में कौन-कौन से तत्व हैं उसके बारे में भी बताएंगे और उस मिट्टी में कौन-कौन से तत्वों की कमी है, उसके बारे में भी किसानो को मृदा स्वास्थ्य कार्ड में बताने का काम किया जाएगा। राज्यमंत्री ने कहा किसानों के खेत की मिट्टी में जो तत्व है, उसके आधार पर किसानों को यह बताने का प्रयास किया जाएगा कि आप कौन सी फसल अपने खेत में बोयेंगे तो अच्छी पैदावार होगी और जिन तत्वों की कमी है, उन तत्वों के बारे में चिंतन करके बताया जायेगा कि जब फसल बोते हैं, तो वह तत्व फसल में डालेंगे तो अच्छी पैदावार होगी। उन्होंने कहा पीएच वैल्यू 6.92 है, यह 5.5 से 8.5 के बीच में होना चाहिए, मतलब पीएच वैल्यू आपके खेत में सही है। सल्फर 19 है जो की 10 से ज्यादा होना चाहिए, सल्फर भी ठीक है। आयरन की मात्रा 4.86 पीपीएम है जबकि 4.5 से ज्यादा होनी चाहिए तो यह भी ठीक है। उन्होंने कहा आप सभी किसान भाई सुखी हो, समृद्ध हो, आप सभी उन्नति करें यही प्रार्थना करते हैं।

कार्यक्रम में उप संचालक कृषि जितेन्द्र सिंह राजपूत, वरिष्ठ कृषि विस्तार अधिकारी जबेरा एम.एल. अहिरवार एवं विकासखंड के समस्त कृषि विस्तार अधिकारियों सहित बड़ी संख्या में किसानों की सहभागिता रही।

दमोह के इमलाई में स्वास्थ्य शिविर आयोजित

परिवर्तन हेल्थ एजुकेशन वेलफेयर सोसाइटी ने जिला आयुष के सहयोग से हुआ आयोजन

धीरज कुमार अहीरवाल । सिटी चीफ ।

दमोह, परिवर्तन हेल्थ एजुकेशन वेलफेयर सोसाइटी लगातार सामाजिक कार्यों में सक्रिय रहती है। संस्था का प्रमुख उद्देश्य लोगों तक समय पर स्वास्थ्य लाभ एवं गरीब निर्धन बच्चों को शिक्षा पहुंचने का है जहां एक ओर संस्था के द्वारा वृक्षारोपण, नि:शुल्क स्वास्थ्य शिविर का आयोजन करती आ रही है। जिसके तहत ग्राम पंचायत इमलाई में विशाल स्वास्थ्य शिविर का आयोजन किया गया। स्वास्थ शिविर में जिला आयुष चिकित्साधिकारी डॉ राजकुमार पटेल के सहयोग से उनकी पूरी टीम के द्वारा मरीजों का स्वास्थ परीक्षण किया गया एवं निशुल्क दवाइयों का वितरण किया गया, जिन लोगों को पंचकर्म चिकित्सा की जरूरत है उन्हें जिला आयुष अस्पताल में बुलाया। ग्राम पंचायत इमलाई के उपसरपंच रमेश श्रीवास्तव की मनसा अनुसार उनकी पंचायत में यह कैंप पर लगाया गया उन्होंने इस कैंप में अपनी संपूर्ण सहभागिता दिखाई। एडवोकेट रमेश श्रीवास्तव का कहना है कि इस प्रकार के शिविर हमारी पंचायत में लगातार जारी रहेंगे ताकि उनके पंचायत के ग्राम वासियों को समय-समय पर इन सभी का लाभ प्राप्त हो । उप सरपंच रमेश श्रीवास्तव के विशेष आयोग से शिविर का सफल आयोजन हो सका। परिवर्तन हेल्थ एजुकेशन वेलफेयर सोसाइटी के अध्यक्ष धीरज कुमार ,सचिव लोकेंद्र दास, कोषाध्यक्ष कीर्ति अहिरवार एवं जिला आयुष से डॉक्टर बृजेश कुलपारिया, सौरभ ,दीनू, साक्षी और ग्राम पंचायत सरपंच रामरानी दुर्गा प्रसाद,उपसरपंच रमेश श्रीवास्तव सचिव संजय राजपूत, रोजगार सहायक मुकेश पटेल एवं समस्त ग्रामवासीयो का सहयोग मिलेगा।

हरियाली तीज पर हरे परधान में महिलाओं ने किए विविध आयोजन

धीरज कुमार अहीरवाल । सिटी चीफ ।

दमोह, अग्रवाल महिला महासभा दमोह द्वारा गत 10 वर्षो से हरियाली तीज महोत्सव मना जा रहा है अग्रवाल महिला महासभा के द्वारा प्रतिवर्ष अनुसार इस वर्ष भी हरियाली तीज पर विभिन्न कार्यक्रम किये गये प्रारंभ परी द्वारा गणेश वंदना से ,तत्पश्चात प्रांतों के परिधानों पर फैंसी ड्रेस प्रतियोगिता आयोजित की गई जिसमे 12 प्रांतों का प्रदर्शन हुआ सभी पुरुष्कृत किया गयाइसके बाद महिलाओं का डांस रखा गया जिसमें 15महिलाऔ ने डांस किया प्रश्न मंच गुप गेम आदि रखे गये जिसमे कोमल प्रथम ,प्रीति द्वितीय रही, सीतारानी लकी ड्रॉ से हरियाली क्रीन बनींआज के दिन माता पार्वती ने कठोर तपस्या करके भगवान शिव को प्राप्त किया था आज के दिन वृक्ष पूजा नदियों की पूजा तथा वरुण देव की पूजा भी की जाती है साथ ही अविवाहिता जिनके विवाह में अड़चन आती इस व्रत को करती हैं

महिला महासभा के द्वारा सजातीय महिलाओं को इस अवसर पर हरी चूड़ी मेहदी हरा परिधान पहनने को कहा जाता है पुरुस्कार वितरण किया जाता है सभी। आनंदित होते हैं इस में प्रांतीय महामंत्री रमा अग्रवाल

संभागीय उपाध्यक्ष रितु अग्रवाल अग्रवाल समाज के अध्यक्ष रवि शंकर अग्रवाल महिला मिलन अध्यक्ष संगीता अग्रवाल डॉक्टर अशोक अग्रवाल अतुल अग्रवाल विकास अग्रवाल जिलाध्यक्ष तारामणि महामंत्री संगीता

सचिव डा आभा, उपाध्यक्ष सुषमा जिला उप मंत्री अंजली सहसचिव वंदना मिडीया प्रभारी निशा आदि उपस्थित रहे। कार्यक्रम में विशेष रूप से राजा मैरिज हाल का विशेष योगदान रहा.

शासकीय हायर सेकेण्डरी बालक विद्यालय धरमपुरा में जनजाति संवर्धन सप्ताह अंतर्गत जागरूकता कार्यक्रम सम्पन्न

धीरज कुमार अहीरवाल । सिटी चीफ ।

दमोह, म.प्र.राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण, जबलपुर द्वारा दिये गेय निर्देशों के तहत प्रिंसिपल जिला न्यायाधीश/अध्यक्ष जिला विधिक सेवा प्राधिकरण आनंद कुमार तिवारी के निर्देशन एवं जिला न्यायाधीश/सचिव जिला विधिक सेवा प्राधिकरण धर्मेश भट्ट के मार्गदर्शन में शासकीय हायर सेकेण्डरी बालक विद्यालय धरमपुर में जनजाति संवर्धन सप्ताह अंतर्गत विधिक जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किया गया। उक्त कार्यक्रम में व्यवहार न्यायाधीश प्रिया राठी, जिला विधिक सहायता अधिकारी रजनीश चौरसिया, विद्यालय की प्राचार्या एवं स्टाफ सहित विद्यार्थी उपस्थित रहे। व्यवहार न्यायाधीश प्रिया राठी ने विद्यार्थियों को बताया कि भारतीय संविधान में प्रत्येक नागरिक को मूल अधिकार प्रदान किये गये है, उनके साथ मौलिक कर्तव्य भी बताये गये है। उन्होने मूल कर्तव्यों को बताते हुए कहा कि हमें अपने अधिकारों का प्रयोग करते समय कर्तव्यों को ध्यान रखना चाहिए ताकि दूसरे नागरिकों के अधिकारों का अतिक्रमण न हो सके। इसके साथ ही उन्होंने पॉक्सो अधिनियम के संबंध में जानकारी देते हुये कहा कि यदि कोई आपके साथ गलत कार्य करता है या आपके साथ साईबर क्राईम होता है तो उसकी जानकारी छिपाये नहीं अन्यथा अपराधी के हौसले बुलंद हो जाते है, तुरंत ही इसकी जानकारी निडरता से माता-पिता एवं शासन को दें। जिला विधिक सहायता अधिकारी रजनीश चौरसिया ने विद्यार्थियों को आदिवासी सप्ताह अंतर्गत उनके हितार्थ संचालित योजनाओं के बारे में जानकारी देते हुये कहा कि शासन में पिछड़े तबकों के लिये पृथक से योजनाएं चलाई जा रहीं हैं जिनके बारे में आप जागरूक होकर आपके संपर्क में आने वाले जरूरतमंदो को जानकारी दे, जिससे उनका उत्थान हो सके। इसे साथ ही उन्होंने मोटरयान अधिनियम, चाईल्ड हेल्पलाईन नं. 1098, विधिक हेल्पलाईन नं. 15100 के बारे में जानकारी दी।

नशे मे चूर आरक्षक ने वाहन चालक से की मारपीट

एसपी ने किया सस्पेंड, झींक बिजुरी चौकी का मामला

मोहम्मद मुनीर । सिटी चीफ ।

शहडोल, जिले की अंतिम छोर मे स्थित झींक बिजुरी चौकी में पदस्थ आरक्षक के द्वारा शराब के नशे में एक वाहन चालक के साथ बीच सड़क मारपीट की गई। घटना का वीडियो सामने आने के बाद एसपी ने मामले को गंभीरता से लेते हुए मारपीट करने वाले आरक्षक गिरधारी सिंह को तत्काल प्रभाव से निलंबित कर दिया है। जानकारी के मुताबिक चौकी झींक बिजुरी में पदस्थ आरक्षक गिरधारी सिंह सिविल में मोटर साइकिल में सवार होकर चौकी आ रहा था, तभी रास्ते में उसे एक छोटा हाथी पिकअप वाहन दिखाई दिया, शराब के नशे में धुत आरक्षक ने वाहन को सड़क पर रोक लिया और चालक से कागजात की मांग करने लगा, नशे में धुत आरक्षक गाली गलौज करते हुए वाहन चालक से पैसे की भी मांग करने लगा।

हालांकि वाहन चालक ने पैसे देने से मना कर दिया, आरक्षक सिविल में था और शराब के नशे में भी, वाहन चालक उसे समझ नहीं पाया कि वह पुलिसकर्मी है या की कोई गुंडा बदमाश। जिसके बाद आरक्षक नाराज हो गया और मारपीट पर उतारू हो गया, वहीं सड़क से गुजर रहे कुछ लोगों ने घटना देख मौके पर रुक गए और पूरा घटना का वीडियो अपने मोबाइल कैमरे में कैद कर लिया, जो अब सोशल मीडिया में जमकर वायरल हो रहा है। मामले में मिली जानकारी में बताया गया की आरक्षक गिरधारी सिंह चौकी से कुछ दूरी पर किराए के मकान में रहता है। बुधवार की शाम वह चौकी के लिए आ रहा था और काफी शराब पिया हुआ था तभी रास्ते में वाहन चालक से मारपीट कर अभद्रता की गई ।

प्रतिक्रिया....

उक्त घटनाक्रम का वीडियो सामने आया है। जिसके बाद आरक्षक को तत्काल प्रभाव से निलंबित कर दिया गया है।

कुमार प्रतीक, पुलिस अधीक्षक
जिला शहडोल

यातायात पुलिस की अनुकरणीय पहल

कटनी पुलिस ने शुरू की आपातकालीन हेल्पलाइन सेवा

सुनील यादव | सिटी चीफ | कटनी, बस में सवारी करने वाले यात्रियों से काई बार बस में अभद्रता और बस ड्राइवर द्वारा तेज गति बस चलाने के मामले कई बार सामने आ चुके है और इस तरह के मामले में यात्री शिकायत भी नही कर पाते,इस तरह के मामले को देखते हुए कटनी जिले की पुलिस ने एक अनोखी पहल करते हुए बसों में एक बैनर चस्पा कर रहे है जिसमे कटनी पुलिस कंट्रोल रूम,ट्रैफिक पुलिस कंट्रोल रूम और एक whatsapp नंबर दिया गया है और यह पर्चा बस के बाहर और अंदर की ओर लगाए है जिससे इस बैनर में लिखे नंबरों पर यात्री तुरंत संपर्क कर बस में होने वाली घटनाओं की सूचना तत्काल दे सके। कटनी ट्रैफिक पुलिस अधिकारी राहुल पांडे ने बताया की कटनी यातायात पुलिस द्वारा बसों में आवश्यक सूचना का चस्पा करने की पहल की गई है,पुलिस अधीक्षक अभिजीत रंजन के निर्देशन में यातायात थाना प्रभारी राहुल पांडे द्वारा जिला पुलिस कटनी की तरफ से सड़क दुर्घटना अथवा अन्य किसी आपातकालीन स्थिति में त्वरित पुलिस सहायता प्राप्त करने के लिए डायल 100पुलिस कंट्रोल रूम पुलिस कंट्रोल व्हाट्सएप यातायात पुलिस एम्बुलेंस फारबिग्रेड के मोबाइल नंबरों से अंकित पंपलेट को बसों में चस्पा किया गया है पुलिस की इस अनुकरणीयनी पहल से दुर्घटना एवं आपातकालीन स्थिति में पीड़ितजनों को त्वरित सहायता मिल सकती है।

मोटर साइकिल से गांजा लेकर जा रहे दो बदमाशों को कुठला पुलिस ने रंगे हाथ किया गिरफ्तार

6 किलो गांजा सहित एक मोटर साइकल जब्त

सुनील यादव | सिटी चीफ | कटनी, कटनी कुठला थाना पुलिस को एक बड़ी सफलता हाथ लगी है। कुठला थाने की पुलिस ने एक ढाबे से दो गंजा तस्करों को अरेस्ट किया। जिनके पास से करीबन 6 किलो गांजा सहित एक मोटर साइकल जब्त की है जिसकी अनुमानित कीमत 75 हजार रूपए आंकी गई है।

दोनो आरोपियों को पुलिस ने न्यायालय में पेश किया गया है। कुठला थाना प्रभारी अभिषेक चौबे ने बताया की रात्रि गश्त के दौरान कुठला पुलिस को फैमिली रेस्टोरेन्ट ढाबा लमतरा में दो लड़के सोते मिले जिन्होने अपने बैग में प्लास्टिक सील पैक पैकेट में मादक पदार्थ गांजा जैसा होना पाया गया उक्त दोनो संदिग्ध व्यक्तियों से उनका नाम पता पूछने पर एक व्यक्ति ने अपना नाम संदीप चौधरी निवासी रामपुर पोस्ट बिलघाड़ी थाना गुन्नौर जिला पन्ना वही दूसरे ने राकेश चौधरी निवासी रामपुर पोस्ट बिलघाड़ी थाना गुन्नौर जिला पन्ना का होना बताया । दोनो संदिग्ध व्यक्तियों की तलाशी ली गई जो दोनो पृथक पृथक कब्जे से दो शील बंद पैकेट में मादक पदार्थ गांजा कुल वजनी 05 किलो 991 ग्राम कीमती 75 हज़ार रूपये वही आरोपियों से एक मोटर साइकिल भी जब्त की गई है। पुलिस ने दोनो आरोपियों के खिलाफ कार्यवाही करते हुए न्यायालय में पेश कर दिया है

महिला यौन उत्पीड़न की रोकथाम संबंधित जागरूकता कार्यक्रम सम्पन्न

ब्राइटन इंटरनेशनल स्कूल में किया गया आयोजन

मोहम्मद मुनीर | सिटी चीफ | शहडोल, महिला एवं बाल विकास विभाग जिला शहडोल द्वारा ब्राइटन इंटरनेशनल स्कूल में महिलाओं के यौन उत्पीड़न की रोकथाम, निषेध और निवारण हेतु जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन किया गया। जागरूकता कार्यक्रम में महिलाओं को यौन उत्पीड़न (रोकथाम, निषेध और निवारण) अधिनियम 2013 के बारे में विस्तृत रूप से जानकारी दी गई। इस अधिनियम के तहत् सभी ऐसे शासकीय, अर्धशासकीय कार्यालय में जहां 10 से अधिक कर्मचारी कार्यरत हो वहां कार्यालय प्रमुख द्वारा आंतरिक परिवार समिति का गठन करना अत्यंत आवश्यक है। स्कूल में उपस्थित स्टॉफ और बच्चो को पॉक्सो एक्ट पर भी जागरूक किया गया । कार्यक्रम में महिला बाल विकास विभाग के अखिलेश मिश्रा सहायक संचालक, श्रीमती संजीता भगत सहायक संचालक, आनंद अग्रवाल परियोजना अधिकारी, प्राचार्य श्रीमती विनीता शर्मा एवं स्कूल का समस्त स्टाफ तथा छात्र उपस्थित रहे।

कटनी में महिला ने लगाया धर्म परिवर्तन और छेड़छाड़ का आरोप

पुलिस ने आरोपी को किया गिरफ्तार

सुनील यादव । सिटी चीफ ।

कटनी, कटनी के माधव नगर थाना क्षेत्र के अमीरगंज मे रहने वाली एक 30 वर्षीय महिला ने पुलिस अधीक्षक कार्यलय आकर शिकायत की थी कि उनके पड़ोस मे ही रहने बाले एक मुस्लिम युवक द्वारा उनको धर्म परिवर्तन व साथ मे रहने के लिए जबरजस्ती कर रहा है। इस शिकायत को एसपी साहब अभिजीत रंजन ने गंभीरता से लेते हुए पूरे मामले की जांच के लिए माधवनगर थाने को निर्देश दिया। जिसके बाद माधवनगर की पुलिस ने पीड़िता के कहे अनुसार पूरे मामले की जांच में जुट गई और यह पता चला की महिला के पड़ोसी मोबाइल में लगातार मेसेज कर महिला को परेशान कर रहा था जिस पर माधवनगर की पुलिस आरोपी के खिलाफ मामला दर्ज कर अरेस्ट कर लिया और न्यायालय में पेश किया है।

पीड़ित महिला ने बताया की लगभग एक माह से महिला प्रताड़ित होकर पहले माधव नगर थाने पहुंची कठोर कार्यवाही ना होने पर वह पुलिस अधीक्षक के पास अपनी शिकायत लेकर पहुंची। महिला ने आरोप लगाते हुए बताया की वह अमीरगंज में अपने पति के साथ रहती है। और उसके पड़ोस में ही रहने वाले 39 वर्ष आबिद शेख जो कि अपराधी प्रवृत्ति का है। जो की मुझ पर गलत नियत रखता है कुछ दिन पूर्व से मेरे पति अपनी मां की तबीयत खराब रहने के कारण वो सतना चले गए थे और वह अकेले दो बेटियों के साथ रह रह रही थी । और पड़ोस में रहने वाले व्यक्ति द्वारा उसके मोबाइल पर लगातार अश्लील मैसेज भेजता था। और रात भर दरवाजा के बाहर खड़ा रहता है और बोलता है कि दरवाजा खोल नहीं तो तोड़ दूंगा मैं मेरे बच्चे पूरी रात सो नहीं पाते है। साथ ही उसके द्वारा यह भी कहा गया कि तेरे आदमी और बच्चों को मरवा देंगे। वही उसके द्वारा धर्म परिवर्तन की भी धमकी दी गई और यह कहा गया कि चाहे तु मुसलमान बन चाहे मैं हिंदू बनु एक रात के लिए बस आजा जितना पैसा चाहिए मैं दूंगा। इस मामले को एसपी अभिजीत रंजन ने गंभीरता से लेते हुए माधवनगर पुलिस को जांच के निर्देश दिया जिसके बाद माधवनगर की पुलिस ने पूरे मामले की बारीकी से जांच की तो महिला के मोबाइल में आरोपी के द्वारा किए गए कई मेसेज मिले वही महिला के द्वारा दिए गए बयान के आधार पर आरोपी के खिलाफ मामला दर्ज कर कोर्ट में पेश किया गया जहा से उसे जेल भेज दिया गया है। वही माधवनगर के थाना प्रभारी अनूप सिंह ने बताया की मोबाइल में आए मेसेज के आधार पर महिला के साथ छेड़छाड़ और परेशान किए जाने की बात सामने आई है वही धर्मांतरण कराने की कोई भी बात सामने नही आई है जिस पर आरोपी के खिलाफ मामला दर्ज कर कोर्ट में पेश किया गया जहा से उसे जेल भेज दिया गया।

रनिया कोल को मिला पीएम आवास योजना से पक्का मकान

मोहम्मद मुनीर। सिटी चीफ।
शहडोल, हर व्यक्ति की मूलभूत आवश्यकताओं में भोजन, पानी और आवास शामिल हैं, दैनिक मजदूरी करने वालों तथा छोटी आय वाले व्यक्तियों को पक्का आवास बनाना बहुत कठिन है। कई गरीबों की पीढ़ियां पक्के आवास की आस में गुजर गईं। लेकिन अब प्रधानमंत्री शहरी आवास योजना शहर के गरीबों के लिए पक्का आवास बनाने का सपना पूरा करने का साधन बन गई है। कई गरीब परिवारों को शहडोल नगरपालिका में प्रधानमंत्री आवास योजना से पक्के आवास की सुविधा मिली है। नगरपालिका शहडोल के वार्ड नं. 23 के रनिया कोल को प्रधानमंत्री आवास योजना के तहत पक्का मकान मिला है। श्रीमती रनिया कोल का कहना है कि पहले हम अपने परिवार के साथ झोपडी में रहती थी, जिससे तेज बारिश होने पर मकान के छप्पर से कई जगह पानी टपकता था, पॉलीथिन शीट से ढककर घर गृहस्थी के सामान को पानी से बचाना पड़ता था। अधिक वर्षा होने पर मकान के गिरने का भी डर मन में बना रहता था। सांप-बिच्छू जैसे जहरीले कीड़े कई बार छप्पर से गिरकर भयभीत कर देते थे। इन सब कठिनाईयों को प्रधानमंत्री आवास योजना ने दूर दिया है। उन्होंने कहा कि मुझे प्रधानमंत्री आवास योजना के तहत पक्का मकान मिला है और मै अपने परिवार के साथ अच्छे से रह रही हूं। श्रीमती रनिया कोल ने प्रधानमंत्री आवास योजना के तहत पक्का आवास मिलने पर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी एवं मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव को धन्यवाद देती हूं।

भारी वर्षा और बाढ़ की स्थितियो पर पैनी रखे नज़र - एस.डी.एम

समन्वय के साथ करें कार्य चुनौतियों से निपटने अधिकारियों की बैठक सपन्न

मोहम्मद मुनीर। सिटी चीफ। शहडोल, कलेक्टर तरूण भटनागर के मार्गदर्शन एवं निर्देशन में गुरूवार अनुविभागीय अधिकारी राजस्व ब्यौहारी नरेंद्र सिंह धुर्वे ने जनपद पंचायत ब्यौहारी के सभागार में बाढ़ आपदा की खण्ड स्तरीय समिति की बैठक ली। उन्होंने अधिकारियों को निर्देश दिए कि संबंधित सचिव, रोजगार सहायक व अन्य अधिकारी पुल पर पानी होने की सूचना हेतु मुनादी कराएं व पुल के ऊपर से पानी का बहाव हो तो दोनों तरफ से बैरिकेडिंग लगाए जिससे लोगों का आवागमन न हो। उन्होंने कहा कि अतिवर्षा और बाढ़ की चुनौतियों से निपटने के लिए समन्वय के साथ कार्य करें व रपटों और पुलों पर अतिरिक्त सतर्कता बरतें। उन्होंने कहा कि बाढ़ आपदा की रोकथाम हेतु रस्सी, गोताखोरों, टार्च जैसे अन्य सभी तैयारियां पूर्ण रहें यह भी सुनिश्चित किया जाए। उन्होंने बाणसागर डैम के कैचमेंट एरिया के सभी किनारों का बाणसागर प्रबंधन तथा राजस्व व पंचायत की टीम के साथ संयुक्त जांच कर नदी के किनारे रह रहे लोगों को सही समय पर सुरक्षित स्थान में लाने मुनादी करने के निर्देश भी दिए। अनुविभागीय अधिकारी राजस्व ब्यौहारी ने कहा कि स्कूलों, सर्वजनिक स्थलों, धार्मिक स्थलों का निरीक्षण वस्तुस्थिति से अवगत कराया जाए। इसी प्रकार बैठक में बाढ़ आपदा से निपटने के लिए अन्य विषयों पर भी चर्चा की गई। बैठक में मुख्य कार्यपालन अधिकारी जनपद पंचायत रामावतार अगरिया सहित अन्य संबंधित अधिकारी उपस्थित थें।

नवकरणीय ऊर्जा मंत्री श्री शुक्ला ने मृतकों के परिजनों से भेंट कर सांत्वना दी एवं ढ़ांढ़स बंधाया

घटना की वास्तविकता पता करने एवं घटना की पुनरावृत्ति नहीं होने अधिकारियों को दिए निर्देश

भिण्ड
नवीन एवं नवकरणीय ऊर्जा मंत्री श्री राकेश शुक्ला ने नगर परिषद गोरमी में दो अलग-अलग दुर्घटना में अभिषेक एवं कलावती की मृत्यु हो जाने पर परिजनों से भेंट कर उन्हें सांत्वना दी एवं ढ़ांढ़स बंधाया। नवकरणीय ऊर्जा मंत्री श्री शुक्ला ने संवेदनाएं व्यक्त कर कहा कि इस दु:ख की घड़ी में शासन एवं प्रशासन आपके साथ है। उन्होंने घटना की वास्तविकता पता करने एवं इस प्रकार की घटना की पुनरावृत्ति नहीं हो, सुनिश्चित करने अधिकारियों को निर्देश दिए। विधानसभा क्षेत्र मेहगांव की नगर परिषद गोरमी के वार्ड क्रमांक 03 में दिनांक 07 अगस्त 2024 को गोंडा की दीवाल गिरने से अभिषेक सिंह पुत्र सरदार सिंह जाति जाटव उम्र लगभग 18 वर्ष एवं नगर परिषद गोरमी के वार्ड क्रमांक 07 में दिनांक 08 अगस्त 2024 को मकान का छज्जा एवं शौंचालय गिरने से कलावती पत्नी रामवीर यादव उम्र लगभग 55 वर्ष की मृत्यु हो गई।

कौन रोकेगा डब्लूपी का बुलडोज़ार

भाई हो तो ऐसा, जो नेता जी को ले डूबेगा

मोहम्मद मुनीर। सिटी चीफ।
शहडोल, कहते है एक भाई अपने दूसरे भाई की ताक़त होता है लेकिन जिले में एक उभरते हुए बेदाग नेता जिनका फैन फॉलोवर किसी विधायक मंत्री से कम नहीं और डेकोरम ऐसा की मंत्री भी देखकर भौचक्का हो जाये लेकिन आज एक भाई ही अपने भाई का सूपड़ा साफ करने के लिए आतुर है कहते है किसी भी नेता के लिए लंगोटे का ढीला होना खतरे का निशान से कम नहीं आका जाता और अब जब शहडोल में एक महिला से भाई ने ठगी कर दी और साझेदारी में धोखा दिया की घटनाक्रम आम होने के बाद अब यही महिला एक के बाद एक नेता जी की सम्पत्तियो का खुलासा करते जा रही है, जिसमे हालही में शहडोल की जमीन की खरीद फरोख्त में कलेक्टर ने लगाई रोक इत्यादि प्रमुख है, लेकिन अब देखने को यह भी मिल रहा है जिस भूमि के लिए इनके पूर्वजो ने ना जाने कैसी कैसी कहानिया लिखी और उनका सच्चा झूठा बोया हुआ ही आज काट रहे है सही पकड़ा आपने हम बात कर रहे थे अवैध कमर्शियल कॉम्प्लेक्स संचालित वाली भूमि की जोकि राजस्व रिकॉर्ड में कभी तालाब भीठा की भूमि दर्ज हुआ करती थी जबकि असल दस्तावेजों में तालाब आज भी जिन्दा है नेता जी के भाई की करतूत से क्या क्या नुक्सान होना बाकी है इसका अंदाजा इस बात से लगाइये की इनकी भूमि प्रॉपर्टी की भूख डबल लॉक सिंगल लॉक सहित ग्वालियर और लखनऊ के दस्तावेजों में हुआ घोर गालमाठाचीख चीख कर कह रहा है ऊपर से दो चक्की के पाट में पीस वाले पटवारी आर आई की भी संपत्ति का गुणा भाग लगाया जाने लगा है, एक धोखेबाज़ भाई की करतूत न जाने कितनो को ले डूबेगी।

30 हजार रूपये की आर्थिक सहायता राशि स्वीकृति

कलेक्टर ने सड़क दुर्घटना में मृतकों के परिजनों को 30 हजार रूपये की आर्थिक सहायता स्वीकृत की है। ग्राम कोटहा तहसील गोपद बनास जिला सीधी के सागर साकेत की दिनांक 25.12.2021 को सड़क दुर्घटना में मृत्यु हो जाने से निकटतम वारिस माता रामूबाई साकेत को 15 हजार रूपये एवं ग्राम चिलरी खुर्द तहसील चुरहट जिला सीधी के विकास कोल की दिनांक 02.03.2023 को सड़क दुर्घटना में मृत्यु हो जाने से निकटतम वारिस पिता छोटेलाल कोल को 15 हजार रूपये की आर्थिक सहायता राशि स्वीकृत की गई है।

पीएम श्री केंद्रीय विद्यालय

प्रबंधन समिति की बैठक संपन्न

शाजापुर कलेक्टर एवं केन्द्रीय विद्यालय प्रबंधन समिति अध्यक्ष सुश्री ऋजु बाफना की अध्यक्षता में आज पीएम श्री केंद्रीय विद्यालय की विद्यालय प्रबंधन समिति की बैठक संपन्न हुई बैठक में सर्वप्रथम पिछली बैठक की कार्यवाही पर चर्चा हुई। इसके उपरांत बैठक में विद्यालय के सत्र 2023-24 के बोर्ड कक्षाओं के परीक्षा परिणाम, विद्यालय में पानी की समस्या, विद्यालय परिसर के समतलीकरण, विद्यालय भवन के लिए अग्नि सुरक्षा प्रमाण पत्र, विद्यालय में पीएम श्री योजना के अंतर्गत प्रस्तावित वोकेशनल लेब के निर्माण, जूडो कोच की नियुक्ति, विद्यार्थियों के स्वास्थ्य परीक्षण, विद्यालय भवन की रंगाई-पुताई, विद्यालय की रसायन शास्त्र प्रयोगशाला में गैस पाईपलाईन लगाने, विद्यालय के लिए आवश्यक फर्नीचर की खरीदी, विद्यालय के सीसीए हाल के लिए एसी एवं पेयजल के लिए वॉटर कूलर खरीदने के साथ ही विद्यालय प्रबंधन समिति अध्यक्ष की अनुमति से विद्यालय विकास से संबंधित अन्य विषयों पर चर्चा हुई। कलेक्टर सुश्री बाफना ने चर्चा के समस्त बिंदुओं पर सभी समिति सदस्यों के मत से अपनी सहमति प्रदान की। इसके पूर्व विद्यार्थियों द्वारा तिलक लगाकर और विद्यालय प्राचार्य डॉ. संध्या एस. तरफदार द्वारा हरित पुष्पगुच्छ से कलेक्टर एवं सभी समिति सदस्यों का स्वागत किया गया। इस अवसर पर विद्यालय की छात्राओं में कक्षा 8वी की कु. नव्या एवं कक्षा 9वी की कु. सरिता द्वारा निर्मित कलाकृति कलेक्टर सुश्री बाफना को भेंट की गई। बैठक में विद्यालय प्रबंधन समिति सदस्यों के रूप में अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक श्री टीएस बघेल, जिला शिक्षा प्रशिक्षण संस्थान प्राचार्य श्री दिलीप देशमुख, नगर पालिका सीएमओ डॉ. मधु सक्सेना, कौटिल्य एजुकेशन एकेडमी प्राचार्य श्री नरेंद्र कुमार डोडिया, जिला चिकित्सालय नेत्र रोग विशेषज्ञ डॉ. मनोज पंचोली, पूर्व प्राचार्य श्रीमती संतोष शर्मा, यूनियन बैंक ऑफ़ इंडिया प्रबंधक श्री पंकज यादव, अभिभावक सदस्य श्रीमती मधुलिका गिरी एवं श्री उमाकांत धारिया व शिक्षक सदस्य श्री प्रमोद कुमार उपस्थित थे। बैठक की कार्यवाही का संचालन विद्यालय के वरिष्ठ शिक्षक श्री पुरुषोत्तम पाटीदार द्वारा किया गया तथा श्री वीरेंद्र सिंह सिसोदिया द्वारा उपस्थित अतिथियों के प्रति धन्यवाद व्यक्त किया गया।

कलेक्टर ने रीठी पहुंच कर किया राजस्व महाभियान की समीक्षा

....और जब कलेक्टर ट्रेक्टर में बैठ कर निर्माणाधीन वसुधा रेस्ट हाउस का निरीक्षण करने पहुंचे

कटनी
कटनी। कलेक्टर श्री दिलीप कुमार यादव ने गुरुवार को रीठी तहसील कार्यालय पहुंचकर कर राजस्व महाभियान 2.0 के प्रगति की समीक्षा की। उन्होंने तहसीलदार रीठी को लंबित राजस्व प्रकरणों के निराकरण में रूचि लेकर तेजी लाने की हिदायत दी। इस दौरान जिला पंचायत सीईओ श्री शिशिर गेमावत खास तौर पर मौजूद रहे। कलेक्टर श्री यादव ने कहा कि पटवारी प्रकरणों का व्यक्तिगत रूचि लेकर निपटारा करें। तहसीलदार और नायब तहसीलदार प्रति दिन अभियान के दौरान किये गये निपटारे और प्रगति की समीक्षा करें। कलेक्टर ने नक्शा तरमीम कार्य और ई-केवाईसी कार्य में वांछित प्रगति नहीं होने पर नाराजगी जताई।

अस्पताल का निरीक्षण कलेक्टर श्री यादव ने सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र रीठी का औचक निरीक्षण कर साफ़ -सफाई व्यवस्था को दुरुस्त कराने के निर्देश दिए। उन्होंने यहां पोषण पुनर्वास केंद्र का मुआयना किया। बताया गया कि वर्तमान में यहां 11 बच्चे भर्ती हैं। कलेक्टर ने यहां बच्चों को दिए जाने वाले पोषण आहार की जानकारी लिया और भोजन कक्ष का अवलोकन किया। यहां भोजन कक्ष में बेहतर साफ-सफाई मिलीं। कलेक्टर ने आपरेशन थियेटर, पैथालॉजी और वार्डों का भी अवलोकन किया। निरीक्षण के दौरान जनपद पंचायत अध्यक्ष अर्पित अनुरोध अवस्थी भी उपस्थित रहे।

मरीज विनोद से पूछा कुशल-क्षेम कलेक्टर श्री यादव ने अस्पताल के निरीक्षण के दौरान वार्ड में भर्ती उपचाररत मरीज़ ग्राम टहकारी निवासी विनोद पटेल से संवाद कर पूछा -क्या हो गया आपको...इस पर विनोद ने बताया कि साहब... चक्कर आ रहा था। कलेक्टर ने कहा यहां देखरेख और उपचार अच्छा मिल रहा। इस पर मरीज ने कहा - जी.. डाक्टर और नर्स समय-समय पर देखभाल करते हैं। कलेक्टर ने विनोद को जल्द स्वस्थ होने की शुभकामना भी दिया।

रीठी पुलिस थाना का निरीक्षण कलेक्टर श्री यादव ने रीठी पुलिस थाना का औचक निरीक्षण किया। कलेक्टर ने नगर निरीक्षक राजेन्द्र मिश्रा से यहां के गांवों में गठित ग्राम रक्षा समितियों, आर्म्स एक्ट के प्रकरणों,बाउंड ओवर मामलों और थाना क्षेत्र में परमानेंट वारंटियों की स्थिति की जानकारी ली। कलेक्टर ने कार्यपालिक मजिस्ट्रेट और पुलिस के बीच बेहतर समन्वय के निर्देश दिये। जिस पर तहसीलदार आकांक्षा चौरसिया ने बताया कि उन्हें यहां पुलिस से पूरा सहयोग मिलता है। कलेक्टर ने पुलिस थाना में उपलब्ध स्टाफ की भी जानकारी ली।

और....कलेक्टर ने ट्रेक्टर की सवारी अपने रीठी क्षेत्र के प्रवास के दौरान कलेक्टर श्री यादव और जिला पंचायत सीईओ श्री गेमावत ने वसुधा नाला में जलस्तर का बहाव तेज होने की वजह से ट्रेक्टर में बैठ कर यहां खनिज प्रतिष्ठान मद से करीब 21 लाख रुपए की लागत से निर्माणाधीन रेस्टहाउस का निरीक्षण किया। उन्होंने यहां सौंदर्यीकरण और पौधारोपण कराने एवं पाथ-वे बनाने के निर्देश दिये। वसुधा रेस्ट हाउस के परिसर में ही जलग्रहण मिशन से निर्मित तालाब और बना अमृत सरोवर इसके नैसर्गिक सौंदर्य को भव्यता प्रदान करते हैं। इस मौके पर वसुधा सरपंच अयूब खान भी मौजूद रहे।

32 साल बाद पाकिस्तान की झोली में आया गोल्ड मेडल

जानें कौन हैं अरशद नदीम? जिन्होंने जैवलिन थ्रो में तोड़ा ओलंपिक रिकॉर्ड

नई दिल्ली: पाकिस्तानी जेविलन थ्रो खिलाड़ी अरशद नदीम ने गुरुवार को स्टेड डी फ्रांस में पेरिस 2024 ओलंपिक फाइनल के दौरान 92.97 मीटर की दूरी फेंककर ओलंपिक रिकॉर्ड तोड़ दिया। 1992 के बाद से यह पाकिस्तान का पहला ओलंपिक पदक है। वह पेरिस 2024 ओलंपिक के फ़ाइनल में दो बार 90 मीटर थ्रो दर्ज करने वाले पहले एथलीट भी बन गए। अरशद ने अपने अंतिम प्रयास में 91.79 मीटर की दूरी दर्ज की। फ़ाइनल में 90 मीटर का आंकड़ा पार करने वाले वह एकमात्र एथलीट थे। 90.57 मीटर का पिछला रिकॉर्ड नॉर्वे के एंड्रियास थोरकिल्डसन के नाम था, जो उन्होंने 2008 बीजिंग ओलंपिक में बनाया था।

2023 विश्व चैंपियनशिप में रजत जीतने वाले अरशद नदीम ने इससे पहले बर्मिंघम में 2022 राष्ट्रमंडल खेलों में 90.18 मीटर का व्यक्तिगत सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन किया था जहां उन्होंने स्वर्ण पदक जीता था। पेरिस 2024 ओलंपिक के फाइनल में अरशद ने फाउल थ्रो से शुरुआत की लेकिन अपने दूसरे प्रयास में 92.97 मीटर का रिकॉर्ड तोड़ थ्रो करके शीर्ष स्थान पर पहुंच गए। भारत के नीरज चोपड़ा ने दो प्रयासों के बाद 89.45 मीटर का थ्रो करके उनका पीछा किया।

टोक्यो 2020 ओलंपिक में नदीम ने पुरुषों की भाला फेंक स्पर्धा में 86.62 मीटर की दूरी तय करके पांचवां स्थान हासिल किया। नदीम के पिता मुहम्मद अशरफ ने बताया कि उनके गांव से मिले समर्थन ने उनके शुरुआती प्रशिक्षण के लिए बहुत मदद की। शुक्रवार 9 अगस्त को नदीम ने 92.97 मीटर की शानदार थ्रो करके नीरज चोपड़ा समेत सभी को चौंका दिया। उनके पिता मुहम्मद अशरफ ने फोन पर मीडिया को बताया, लोगों को नहीं पता कि अरशद आज इस मुकाम पर कैसे पहुंचे। कैसे उनके साथी ग्रामीण और रिश्तेदार पैसे दान करते थे ताकि वह अपने शुरुआती दिनों में अपने प्रशिक्षण और कार्यक्रमों के लिए दूसरे शहरों की यात्रा कर सकें।

पृष्ठभूमि और आरंभिक कैरियर

2 जनवरी, 1997 को पाकिस्तान के मियां चन्नू में जन्मे अरशद नदीम ने महानता की स्पष्ट दृष्टि के साथ भाला फेंक में अपनी यात्रा शुरू की। उनके आरंभिक कैरियर में असाधारण प्रतिभा और दृढ़ संकल्प की झलक मिलती है, जिसके कारण उन्हें अंतर्राष्ट्रीय मंच पर शानदार प्रदर्शन करने का मौका मिला। एथलेटिक्स में नदीम का उदय कठोर प्रशिक्षण और उत्कृष्टता की निरंतर खोज की विशेषता थी। पाकिस्तान के पंजाब के मियां चन्नू में एक पंजाबी जाट परिवार में जन्मे अरशद नदीम एथलेटिक्स की दुनिया में धूम मचा रहे हैं। आठ भाई-बहनों में तीसरे सबसे बड़े नदीम ने अपने शुरुआती स्कूली वर्षों में

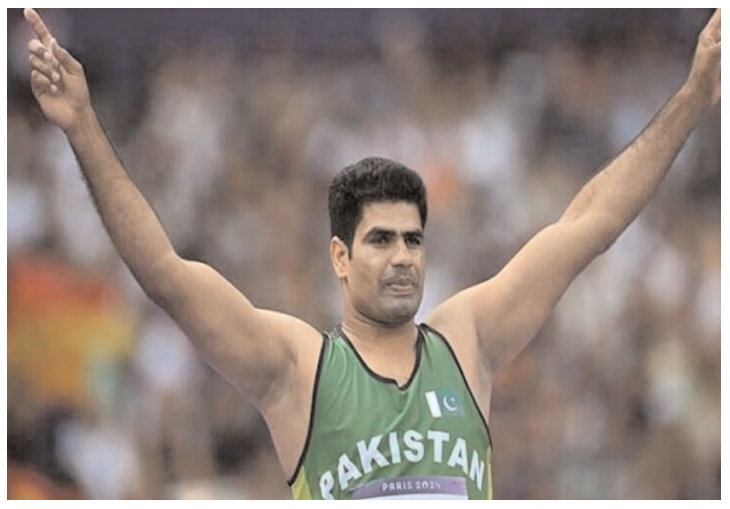

असाधारण बहुमुखी प्रतिभा का प्रदर्शन किया जिसमें क्रिकेट, बैडमिंटन, फुटबॉल और एथलेटिक्स सहित विभिन्न खेलों में भाग लिया। क्रिकेट के प्रति अपने शुरुआती जुनून और जिला-स्तरीय टेप-बॉल टूर्नामेंट में खेलने के बावजूद, एथलेटिक्स में उनका प्रवेश ही उनके उल्लेखनीय करियर की नींव रखने वाला था।

सातवीं कक्षा में शुरू हुई थी नदीमकी भाला फेंकने की यात्रा

भाला फेंकने में नदीम की यात्रा सातवीं कक्षा में शुरू हुई जब उन्होंने खेल विकास में एक प्रसिद्ध व्यक्ति रशीद अहमद साकी का ध्यान आकर्षित किया। साकी की सलाह नदीम के जेवलिन थ्रो पर ध्यान केंद्रित करने के निर्णय में महत्वपूर्ण थी, हालांकि उन्होंने शुरू में शॉट पुट और डिस्कस थ्रो की खोज की थी। उनकी शुरुआती सफलताओं जिसमें पंजाब यूथ फेस्टिवल और एक इंटर-बोर्ड मीट में जेवलिन थ्रो में स्वर्ण पदक शामिल हैं, ने उन्हें सेना, वायु सेना और WAPDA सहित प्रमुख घरेलू एथलेटिक्स टीमों से प्रस्ताव दिए। यह उनके पिता मुहम्मद अशरफ थे जिन्होंने अंतत: उन्हें जेवलिन थ्रो को गंभीरता से लेने के लिए प्रोत्साहित किया।

नदीम ने 2015 में जेवलिन थ्रो स्पर्धाओं में भाग लेना शुरू किया और जल्दी ही अपनी पहचान बना ली। फरवरी 2016 में उन्होंने भारत के गुवाहाटी में दक्षिण एशियाई खेलों में कांस्य पदक जीता जिसमें 78.33 मीटर की थ्रो के साथ व्यक्तिगत सर्वश्रेष्ठ और राष्ट्रीय रिकॉर्ड बनाया। उस वर्ष के अंत में उन्होंने हो ची मिन्ह में 17वीं एशियाई जूनियर एथलेटिक्स चैम्पियनशिप में कांस्य पदक जीता और मई 2017 में बाकू में इस्लामिक सॉलिडेरिटी गेम्स में कांस्य पदक के साथ अपनी चढ़ाई जारी रखी। अप्रैल 2018 में उनके करियर में उल्लेखनीय उछाल आया जब उन्होंने ऑस्ट्रेलिया के गोल्ड कोस्ट में कॉमनवेल्थ गेम्स में क्वालिफिकेशन राउंड के दौरान 80.45 मीटर का नया व्यक्तिगत सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन किया। वर्ष के अंत में पीठ की चोट के बावजूद नदीम ने इंडोनेशिया के जकार्ता में एशियाई खेलों में उत्कृष्ट प्रदर्शन किया, जहाँ उन्होंने 80.75 मीटर का नया व्यक्तिगत सर्वश्रेष्ठ और राष्ट्रीय रिकॉर्ड बनाया।

नदीम का प्रदर्शन लगातार प्रभावित करता रहा क्योंकि वह कतर के दोहा में 2019 विश्व एथलेटिक्स चैंपियनशिप में 81.52 मीटर का व्यक्तिगत सर्वश्रेष्ठ और राष्ट्रीय रिकॉर्ड हासिल करने वाले एकमात्र पाकिस्तानी एथलीट बन गए। उनकी प्रतिभा का प्रदर्शन तब और भी बढ़ गया जब उन्होंने पेशावर में 33वें राष्ट्रीय खेलों में 83.65 मीटर की थ्रो के साथ राष्ट्रीय रिकॉर्ड बनाया और दिसंबर 2019 में नेपाल में 13वें दक्षिण एशियाई खेलों में 86.29 मीटर थ्रो के साथ स्वर्ण पदक जीता। स्कूल एथलीट से ओलंपिक रिकॉर्ड तोड़ने वाले तक नदीम का सफर उनके समर्पण और कौशल का उदाहरण है जिसने उन्हें भाला फेंक की दुनिया में एक प्रमुख व्यक्ति और वैश्विक मंच पर पाकिस्तान का गौरवशाली प्रतिनिधि बना दिया है।

पेरिस ओलंपिक में ऐतिहासिक प्रदर्शन

पेरिस ओलंपिक में, अरशद नदीम ने 92.97 मीटर की थ्रो के साथ एक नया ओलंपिक रिकॉर्ड बनाते हुए एक ज़बरदस्त प्रदर्शन किया। इस शानदार उपलब्धि ने पिछले ओलंपिक रिकॉर्ड को पीछे छोड़ दिया और भाला फेंकने में नदीम के असाधारण कौशल और ताकत को उजागर किया। उनके रिकॉर्ड तोड़ने वाले थ्रो ने खेल में एक नया मानक स्थापित किया है जो उचतम स्तर पर प्रदर्शन करने की उनकी क्षमता को दर्शाता है।

अरशद नदीम की कुल संपत्ति

इंटरनेट पर उपलब्ध जानकारी के अनुसार अरशद नदीम की कुल संपत्ति लगभग 2 मिलियन डॉलर है।

नोबेल पुरस्कार विजेता मोहम्मद युनूस बने अंतरिम सरकार के मुखिया

मोदी ने दी बधाई

इंटरनेशनल डेस्क: नोबेल पुरस्कार से सम्मानित अर्थशास्त्री मोहम्मद यूनुस ने बृहस्पतिवार को बांग्लादेश की अंतरिम सरकार के प्रमुख के रूप में शपथ ली। यूनुस को मंगलवार को राष्ट्रपति मोहम्मद शहाबुद्दीन द्वारा संसद भंग किए जाने के बाद अंतरिम सरकार का प्रमुख नियुक्त किया गया था। इससे पहले, नौकरियों में आरक्षण प्रणाली के खिलाफ व्यापक प्रदर्शनों के बीच शेख हसीना सोमवार को प्रधानमंत्री पद से इस्तीफा देकर देश छोड़कर चली गई थीं। यूनुस (84) को राष्ट्रपति मोहम्मद शहाबुद्दीन ने राष्ट्रपति भवन 'बंगभवन में आयोजित एक समारोह में पद की शपथ दिलाई। यूनुस की सहायता के लिए 16 सदस्यीय सलाहकार परिषद की घोषणा की गई। वहीं भारत के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने गुरुवार को नोबेल पुरस्कार विजेता प्रोफेसर मोहम्मद यूनुस को बंगलादेश में अंतरिम सरकार का प्रमुख बनने पर शुभकामनाएं दीं और कहा कि भारत को उम्मीद है कि वहां जल्द ही सामान्य स्थिति बहाल हो जाएगी और हिंदुओं तथा अन्य अल्पसंख्यक समुदायों की सुरक्षा सुनिश्चित होगी। मोदी ने सोशल मीडिया मंच एक्स पर कहा कि भारत शांति, सुरक्षा और

विकास के लिए दोनों देशों के लोगों की साझा आकांक्षाओं को पूरा करने के वास्ते बंगलादेश के साथ काम करने के लिए प्रतिबद्ध है। उन्होंने कहा, प्रोफेसर मोहम्मद यूनुस को उनकी नई जिम्मेदारी संभालने पर मेरी शुभकामनाएं। हमें उम्मीद है कि जल्द ही सामान्य स्थिति बहाल हो जाएगी और हिंदुओं तथा अन्य सभी अल्पसंख्यक समुदायों की सुरक्षा सुनिश्चित होगी। उन्होंने कहा, भारत शांति, सुरक्षा और विकास के लिए दोनों देशों के लोगों की साझा आकांक्षाओं को पूरा करने के लिए बंगलादेश के साथ काम करने के लिए प्रतिबद्ध है।

शेख हसीना की बेटी साइमा का छलका दर्द, कहा-

दिल टूट गया, मुश्किल घड़ी में मां को नहीं लगा सकती गले

ढाका। बांग्लादेश में हाल ही में हुई हिंसा के बाद प्रधानमंत्री शेख हसीना ने 5 अगस्त को इस्तीफा देकर देश छोड़ दिया। वर्तमान में वे भारत में ठहरी हुई हैं। इस घटना के तीन दिन बाद, उनकी बेटी साइमा वाजेद ने एक भावनात्मक सोशल मीडिया पोस्ट में अपनी भावनाएँ साझा की। उन्होंने बांग्लादेश में हुई हत्याओं पर गहरा दु:ख व्यक्त किया और बताया कि वे इस कठिन समय में मां से नहीं मिल पा रही हैं और उन्हें गले भी नहीं लगा सकतीं। साइमा वाजेद हाल ही में विश्व स्वास्थ्य संगठन की क्षेत्रीय निदेशक नियुक्त की गई हैं और इस पद के प्रति अपनी प्रतिबद्धता जताई है।साइमा ने एक्स पर लिखा, मेरा दिल बांग्लादेश में हुई हत्याओं से टूट गया है। मैं इस कठिन समय में अपने अपनों को देख भी नहीं सकती और गले भी नहीं लगा सकती। शेख हसीना के बेटे सजीब

वाजेद ने भी इस पर टिप्पणी की है। उन्होंने एक इंटरव्यू में बताया कि मां बांग्लादेश छोड़ना नहीं चाहती थीं लेकिन स्थिति इतनी गंभीर हो गई कि उन्हें देश छोड़ना पड़ा। उन्होंने कहा कि मां को समझाया कि यह राजनीतिक आंदोलन नहीं है, बल्कि उन्मादी भीड़ है जो उनकी जान को खतरा बना सकती है। बांग्लादेश में पिछले दो महीनों से कोटा सिस्टम के विरोध में छात्र आंदोलन चल रहा था। यह आंदोलन अचानक राजनीतिक विरोध और हिंसा में बदल गया। इस्लामी जमात पर बैन लगाए जाने के बाद आंदोलन ने उन्मादी रूप ले लिया, जिसमें हिंदुओं के घरों में लूटपाट की घटनाएँ हुईं और शेख हसीना के आवास पर भी हमला हुआ।

अमरनाथ यात्रा के लिए श्रद्धालुओं का एक और जत्था हुआ रवाना

अब तक 5 लाख से अधिक तीर्थयात्री कर चुके भोले बाबा के दर्शन

नेशनल डेस्क। दक्षिण कश्मीर के हिमालय में स्थित अमरनाथ गुफा मंदिर में बाबा बर्फानी के दर्शन के लिए शुक्रवार को 390 से अधिक श्रद्धालुओं का एक नया जत्था रवाना हुआ। अधिकारियों ने बताया कि केंद्रीय रिजर्व पुलिस बल (सीआरपीएफ) और पुलिस की सुरक्षा में भगवती नगर आधार शिविर से 14 वाहनों का एक काफिला तड़के 3 बजकर 26 मिनट पर रवाना हुआ। इस जत्थे में 398 तीर्थयात्री शामिल थे। इन सभी श्रद्धालुओं ने गांदरबल के 14 किलोमीटर लंबे कठिन बालटाल मार्ग को चुना। इस साल अब तक पांच लाख से अधिक श्रद्धालु बाबा बर्फानी के दर्शन कर चुके हैं।

यात्रा 29 जून को शुरू हुई थी और 19 अगस्त को समाप्त होगी।

शुक्रवार सुबह 730 तीर्थयात्री सीमावर्ती जिले पुंछ के प्राचीन बूढ़ा अमरनाथ मंदिर के लिए रवाना हुए।

यह यात्रा 7 अगस्त को शुरू हुई थी और 20 अगस्त तक जारी रहेगी।

जयशंकर को ब्रिटिश विदेश मंत्री ने किया फोन बांग्लादेश की स्थिति समेत इन मुद्दों पर की चर्चा

नेशनल डेस्क । विदेश मंत्री एस. जयशंकर ने बृहस्पतिवार को ब्रिटेन के अपने समकक्ष डेविड लैमी के साथ फोन पर बातचीत के दौरान बांग्लादेश में उभरते हालात पर चर्चा की। जयशंकर ने 'एक्स% पर एक पोस्ट में कहा कि उन्होंने और लैमी ने पश्चिम एशिया के घटनाक्रम पर भी विचार-विमर्श किया।

जयशंकर ने कहा, ''आज ब्रिटेन के विदेश मंत्री डेविड लैमी से फोन पर बात हुई। बांग्लादेश और पश्चिम एशिया की स्थिति पर चर्चा हुई। जयशंकर और ब्रिटिश विदेश मंत्री के बीच यह बातचीत बांग्लादेश की पूर्व प्रधानमंत्री शेख हसीना की लंदन में शरण लेने की प्रारंभिक योजना की पृष्ठभूमि में हुई है। ब्रिटेन द्वारा हालांकि उन्हें शरण देने में संकोच किये जाने के कारण यह योजना अवरुद्ध हो गई है। नौकरियों में विवादास्पद कोटा प्रणाली को लेकर अपनी सरकार के खिलाफ हिंसक विरोध प्रदर्शन के बाद शेख हसीना ने इस्तीफा दे दिया था और देश छोड़कर चली गईं। पद से इस्तीफा देने के कुछ ही समय बाद 76 वर्षीय हसीना लंदन जाने की योजना के साथ दिल्ली के निकट हिंडन स्थित

वायुसैनिक अड्डे पर उतरी थीं। यह योजना सफल नहीं हो सकी क्योंकि ब्रिटेन ने संकेत दिया कि उन्हें (शेख हसीना) अपने देश में हिंसक विरोध प्रदर्शनों की किसी भी संभावित जांच के खिलाफ कानूनी संरक्षण नहीं मिल सकता है। लैमी ने सोमवार को लंदन में एक बयान में कहा था कि बांग्लादेश में पिछले दो सप्ताह में हुई जबरदस्त हिंसा में जानमाल की काफी क्षति हुई है तथा देश ''घटनाओं की संयुक्त राष्ट्र के नेतृत्व में पूर्ण एवं स्वतंत्र जांच का हकदार है। ऐसा कहा जा रहा है कि हसीना शरण लेने के लिए संयुक्त अरब अमीरात, बेलारूस, कतर, सऊदी अरब और फिनलैंड समेत कई विकल्पों पर विचार कर रही हैं।

पत्नी ने पति को दी दर्दनाक मौत

पहले ईंट से कुचला सिर फिर शव पर बैठी....जब पुलिस पहुंची तो भेजा निकालकर फेंका बाहर

शाहजहांपुर। उत्तर प्रदेश के शाहजहांपुर जिले में पति की हत्या का एक ऐसा मामला सामने आया है, जिसके बारे में जानकर आपकी रूह कांप जाएगी। जहां एक पत्नी ने घरेलू विवाद के चलते अपने पति की ईंट से कुचल कर बेरहमी से हत्या कर दी। हत्या करने के बाद बेरहम पत्नी अपने पति का सिर कुचलने के बाद उसके अंदर का भेजा बाहर निकालते नजर आई। फिलहाल सूचना के बाद मौके पर पहुंची पुलिस ने पत्नी को गिरफ्तार कर लिया है और मामले में कार्रवाई शुरू कर दी है।

सूत्रों से मिली जानकारी के मुताबिक, दिल दहलाने वाली यह घटना थाना रोजा क्षेत्र की हथौड़ा गांव की है। बताया जा रहा है कि यहां के रहने वाले सत्यपाल और उसकी पत्नी गायत्री देवी के बीच में किसी बात को लेकर विवाद हो गया था। जिस पर पति ने अपनी पत्नी की पिटाई कर दी थी। पिटाई से नाराज पत्नी गायत्री देवी ने अपना आपा खो दिया। पत्नी ने अपनी पति के सर पर ईंटों से ताबड़तोड़ वार कर दिए और पति का सर कुचलकर दरवाजे पर ही उसकी हत्या कर दी। पति की हत्या के बाद भी जब पत्नी का मन नहीं भरा तो वह अपने पति के सिर से उसके अंग अपने हाथों से बाहर निकाल कर फेंकती नजर आई। हत्या का यह वीडियो किसी ने अपने मोबाइल में कैद कर लिया। बताया जा रहा है कि सूचना के बाद जब मौके पर पुलिस पहुंची तो नज़ारा देखकर पुलिस के भी होश उड़ हो गए। पुलिस ने मौके से हत्यारी पत्नी को खून से सने हाथों के साथ गिरफ्तार कर लिया। पति की हत्या की खबर से पूरे इलाके में सनसनी फैल गई। मौके पर भारी भीड़ इकट्ठा हो गई। फिलहाल पुलिस ने पति के अंगों को कब्जे में लेकर उसे पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है और मामले में कानूनी कार्रवाई शुरू कर दी है। फिलहाल हर तरफ इस बात को लेकर काफी चर्चा है कि आखिर पत्नी अपने पति की इतनी बेरहमी से हत्या कैसे कर सकती है।

स्वामी, प्रकाशक एवं मुद्रक श्रीमती ज्योती मिश्रा द्वारा कॉम्पेक प्रिंटर्स प्रा. लि. फ्री प्रेस हाउस 3/54, प्रेस कॉम्पलेक्स, ए.बी. रोड, इंदौर से मुद्रित एवं 45ए गुप्ता चैम्बर पहली मंजिल जावरा कंपाउंड इंदौर, (म.प्र.) से प्रकाशित।
प्रधान सम्पादक : अशीष मिश्रा आर.एन.आई. पंजीयन क्रमांक : एमपी/एच/आइएन 2009/34385 फोन नं : 0731-4202569 फैक्स नं : 0731-4202569